अनुक्रमनिका.

☞ हमारे यहा के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम) को समझने के लिये **संगीत तत्वदर्शकको** पढना चाहिये

तार		
मध्य	रि स रि स	स रि रि़ • ४ ग रि
मन्द्र		ध नि नि नि

स था ल मीं क ना र द मु नि स न का
२ २ १ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	रि स स़ • ४	स
मन्द्र		नि़ ध़•४ ध़ प़ •४ नि़ ध़•४

• दि क से • • • स •
२ १ ३

तार		
मध्य	स स़•४ रि ग रि रि स़•४	रि ग प
मन्द्र	नि	नि

• सु रे • स सू न त र ट त र
२ ३ २ २ १ ३

तार	स रि रि ग•ऽ ग रि स•
मध्य	नि निधप•ऽ
मन्द्र	

ध रा मे . र प व न . आ ग
१ ३ २ ३ २ ०

तार	स स•
मध्य	प ध नि ध प•ऽ ध प म ग ग रि
मन्द्र	

प रा . पां . . छी ज ल थ ल स व
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि स
मध्य	म ध म ध नि ध प•ऽ ध नि ध प•ऽ
मन्द्र	

घ न . दा . मि नी आ . . . .
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि
मध्य	प ध ध नि नि • ४ म ध म म ा ग रि
मन्द्र	

आ . . जो र ना . . . री
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	रि ४	ग प प प प • ४ प ध प प • ४
मन्द्र	नि	

न र दी न ज धु दी न ना . थ
१ ३ ४ ३ २ २

तार	
मध्य	म ध नि ध प • ४ प प ध म प म ग • ४
मन्द्र	

दी न द या . ल ज ग जी . . व न
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	रि ग प ग रि स॒ . ४ रि ग रि
मन्द्र	नि नि

ज ग . न्ना . थ क र . ता .
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	स॒ . ४	स . ग प ग॒ . ४ प . ध म॒ . I
मन्द्र		

र भ . र . न भू . रा . .
१ ३ २ ३ २ २

तार		स स॒ . ४ स . रि स .९
मध्य	ग॒ . ४	ग म ध
मन्द्र		

न वी सा . भ र सा . चि त
१ ३ २ ३ २ २

तार	स स स स रि॰ ॰ ४ स
मध्य	ध नि ध प ध प॰ ॰ ४
मन्द्र	

सां . प त ग न   ते . . रो . हि
१ ३ २   ३ २ २

तार	रि स स ॰ ९	रि
मध्य	ग ग म ध ध प ॰ ९	नि
मन्द्र		

स व स्र स स मू . द्र दी जे   गू ला
१ ३ २ ३ २ २   १

तार	ग रि नि सु॰ .
मध्य	नि ध नि॰ ॰ ४ म ध प॰ .
मन्द्र	

. थ को . .   ध न   ये . .
३ २   ३   २

तार रि
मध्य म ग़ • ४ म ध नि नि • ९ म धु
मन्द्र
रा म क •
२ १ ३ २ ३
तार
मध्य मु • ɪ ग रि रिु • ४
मन्द्र नि़
र • • ता र है
२ २

द्विगुण करने की रीति.

तार	
मध्य	प म ग . रि प ग . ऽ प प प प ग .
मन्द्र	

ते . . रो . हि ध्या न ध र .

१ ३ २

तार	
मध्य	प . ऽ म ध म ऽ ग रि रि . ऽ ग
मन्द्र	नि

त ग्रं . . ह्मा . शि व ब्या

३ २

तार		
मध्य	रिग . ऽ रिसरिस	स रि
मन्द्र		धनि

. . . स वा ल मीं क ना र द
२ १

तार	
मध्य	रि . ऽ ग रि रि स स . ऽ स
मन्द्र	नि नि

मु नि स न का . दी क से
३ २ १

तार	
मध्य	स स . ऽ रि
मन्द्र	निध . ऽ धप . ऽ निध . ऽ

. . . . . . स . . सु रे
२

तार	. .	यहांसे यहांतक विलंबित फिर
मध्य	ग रि रि स .ॅ	रिगपगप .ऽ रि
मन्द्र	नि	नि नि

. स सु नी त र ट त ग ह त र ट
२ २ ३ २ ३

तार	द्विगुण	चारगुण
मध्य	ग प ग प .ॅ	रि ग प ग प नि ध म प.
मन्द्र		नि

त र ह त र ट त र ह त नि स . .
२ २

तार		
मध्य	ग रि रि	प म ग . रि प ग .ऽ
मन्द्र	. नि	

वा . स र ते . . . रो . हि
१ ३ २

तार		
मध्य	रि ग . ऽ रि स रि स	स रि
मन्द्र		ध नि
	. स वा ल मी	क ना र द
	२	१

तार		.
मध्य	रि . ऽ ग रि	रि स स . ऽ स
मन्द्र	नि	नि
	मु नि स न का	दी क से
	३ २	१

तार		
मध्य		स स . ऽ रि
मन्द्र	नि ध . ऽ ध प . ऽ नि ध . ऽ	
	. . . . स .	. सु रे
	२	

तार		स स
मध्य	प प प प ग . प . ४	प ध प
मन्द्र		

ध्या न ध र . त चाँ . द सू र
३ २ २ १ ३ २

तार	स . ४ स स स स रि स स . ४	
मध्य		प ध
मन्द्र		

ज औ र त रा . ग न चाँ .
३ २ २ १

तार	स स स . ४ स स स स रि स स
मध्य	प
मन्द्र	

द सू र ज ओ र त रा . घ न
३ २

तार	सु • ॅ रि रि गु • ॅ गु रि सु •
मध्य	नि नि
मन्द्र	

ध रा मे . ग प व न .
३ २ २

तार		यहांसे सु सु • विलंबित
मध्य	धु पु • ॅ	पु धु नि धु पु • ४
मन्द्र		

व्या घ पृ न्नू . पीं . . छी
१ ३ २

तार		फिर द्विगुण
मध्य	धु पु मु गु गु रि • ४	मु धु • मु धु नि
मन्द्र		

ज ल ध ल स य . घ न . श .
३ २ २ १

तार	रि स
मध्य	ध प . ऽ ध नि ध प .ऽ प ध ध नि
मन्द्र	

मि नी आ . . . .
३ २ ३ *

तार	रि
मध्य	नि.ऽ म ध म म ऽग रि रि ऽ
मन्द्र	नि

ओ र ना रीं न र
२ -

नवर २.

राग जैमिनी कल्याण.

इस म कवल दो मध्यम लगत है एक शुद्ध दुसरा तात्रतर शुद्ध मध्यम के वास्त निशाना हागा (तीनताल)

तार		
मध्य	सु रि गु पु रि गु रि सु . ४	गु रि गु
मन्द्र	नि	

अ च गु न न की . जी ये गु नी स
३ . २ १

तार	
मध्य	गु पु . मु गु ० मु गु रि सु
मन्द्र	नि धु पु पु .ँ

न का . जा . ने . गु न की सा र
२ ३ २

तार	
मध्य	गु . गु गु गु रि सु रि गु रि रि सु
मन्द्र	नि

ओ र गु नी . गु नी . . जा . ने
१ २ ३

तार		
मध्य	धु नि धु पु पु ॰ मु ग रि ग	ऽ रि सु रि
मन्द्र		नि
	को . न क हे . ए क थे	. र क हे दी
	३ २	१

तार		
मध्य	स सु स रि	ग ग ग रि
मन्द्र	धु नि धु नि	
	नी को . न क हे य ह	वा र वा र
	३ २	१ ३

नंबर ३.

राग भूपाली ओडव.

इस राग में मध्यम और निषाद वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल तेवरा, (मात्रा ७.)

तार	आरोह	स	अवरोह
मध्य	स रि ग प ध		ध प ग रि स ९
मन्द			

तार	स	
मध्य	ध ध प ग ग प . ४	स रि ग स रि
मन्द		
	आ प नो गी ज प द १ ३ २ २	दे त य ली १ ३ २

तार			
मध्य	स . ९	ग ग ग प प प . ४	ध प रि
मन्द			
	को . २	दा . न मा ग त १ ३ २ २	या ल हो १ ३ २

तार		सं सं सं रिं • ४	गं
मध्य	स • ९	ग प ध	
मन्द्र			

मो व ट्रू क प ट ज व स
२ १ ३ ० ० १

तार	गं रिं सं रिं सं • ९	रिं रिं रिं	सं
मध्य		ध	ध
मन्द्र			

म ज क वी को मा गे सो म त दे
३ २ २ १ ३ २ २

तार		सं	सं
मध्य	प • ४	ध प ग रि स स • ४	ध
मन्द्र			

तो य ल ही र ख वा को भू य
१ ३ २ २ १ ३

तार	.	
मध्य	ध प ग ग प.४	स रि ग स रि स स.४
मन्द्र		

ती न प द को   माँ . गे वा . म न
२ २   १ ३ २ २

तार	रि रि रि स स.४	स
मध्य	ध ध	प ध प.
मन्द्र		

ह स के नृ प बो ले   औ . र .
१ ३ २ २   १ ३

तार		रि स रि स स.४	
मध्य	रि स स.४	ध	प
मन्द्र	.		

ले ध न   भ यो श्री वी क म   कि
२ २   १ ३ २ २   १

नार		स स स
मध्य	प ध ग प प • ४	ग प ध
मन्द्र		

योपद्‌क्रम एक म हीप
३ २२ १३ २ २

तार	रि • ४	ग ग रि स रि स स • ४	
मध्य			ध ध
मन्द्र			

र वीजेको अ न र वे
१ ३ २ २ ३

तार	रि स स • ४	स
मध्य	ध प	प ध प ग रि स • ४
मन्द्र		

जुके प्रभ ती जे कोशिर पर
२ २ १ ३ २ २

नंबर ४

राग भूपाली ओडव.

ताल तीनताल

तार		
मध्य	ग ऽ . ४ प ग रि रि . ९	स ऽ ९ रि
मन्द्र		
	१ - ३ ४	१ २

तार		
मध्य	स	स ऽ ९ स I रि ग
मन्द्र	ध प ध ध . ४	
	३ २	१ २ ३ २

तार		
मध्य	प	ग ऽ ऽ ध प ग प ग रि ग रि
मन्द्र		
		१ २ ३ ०

तार			
मध्य	सु रि	प ऽ ऽ ध ध प ग रि	ग ऽ ऽ
मन्द्र			
		१ २ ३ २	१ ०

तार		सु
मध्य	ग ध प ग रि ऽ	ग ग ध प ध
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		सु
मध्य	धु पु धु पु गु रि ४	गु पु धु धु पु
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	सु	
मध्य	धु पु गु धु पु गु रि सु रि ४	गु गु
मन्द्र		

३ २ १

तार	
मध्य	पु ग रि रि गु रि सु रि सु सु
मन्द्र	धु

२ ३ २

तार	
मध्य	स रि रि स रि ग ९ रि ग प ध प ग ग
मन्द्र	

१ २ ३ २

तार	स स रि रि ग रिरि स
मध्य	प प ध ध ध
मन्द्र	

१ २ ३ २

तार	रि रि स	स स
मध्य		ध प ध ध प ग
मन्द्र		

१ २

तार		
मध्य	ध प ग रि ग रि स रि • ४	प प ध
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		
मध्य	प ग ग ० प ग रि रि ०	ग रि स स ०
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		स
मध्य	रि स रि ग रि ग प ग	प ध प ध ध
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार	स रि स रि ग रि स	रि स स
मध्य		ध ध
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार	
मध्य	प ध प ग प ग रि ग रि स रि ४
मन्द्र	
	३ २

नंबर ५.

राग भूपाली.

ताल अभिनंदन (सुरफाक्ता)

अथवा मिश्र जाति तीनताल मात्रा १०

तार		
मध्य	रि रि स स स . ९	स रि ग ग ग
मन्द्र	ध	

से सा च ल वा सा तो हे द र स
१ ३ २ २ ३ १ ३ २

तार		स ९·४
मध्य	रि स रि ग . ९	प प ग रि ग प ध
मन्द्र		

खी आ . मा दि न दि न क र त हे .
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार	
मध्य	ध प ध प ग रि ग . प रि स . ४
मन्द्र	

वि ध ह र प . . ध ना भ
१ ३ २ २ ३

तार	स स स	स स रि
मध्य	प प ध ध प प • ४	
मन्द्र		

न य दि न न व रा त म न व या
१ ३ २ २ ३ १ ३

तार	ग रि स रि स स • ४	
मध्य		ध प ध प रि ग
मन्द्र		

ह न नि क स त र थ प र द स
२ २ ३ १ ३ २

तार		स स
मध्य	प रि स • ४	ग ग रि ग प ध
मन्द्र		

रे दी न जो य ही व्य क ट जी
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार	स़ . ९ स़ रि ग़ रि स़ रि स़ स़ . ४
मध्य	
मन्द्र	

को . गा . व त गा . व त
१ ३ २ ॰ ३

तार	स़ स़ . ४	
मध्य	ग़ ग़ रि ग़ प़ ध़ ध़	ध़
मन्द्र		

सो न हि या . र वा . र ज
१ ३ ॰ २ ३ ॰

तार		स़
मध्य	प़ ग़ रि ग़ प़ रि स़ स़ . ४	प़ ध़
मन्द्र		

न न म र न पा य त य जु कों
३ २ २ ३ १ ३ २

तार	स रि स .१	
मध्य		ग ग ग रि ग प रि स .४
मन्द्र		

अ प नो अंत को च र न दे त
३ ३ १ ३ २ २ ३

नंबर ६.

राग हमीर.

ताल चारताल.

इस राग मे दो मध्यम लगते है एक शुद्ध और दुसरा तीव्रतर,
जब तीव्रतर म, लगाया जावेगा उस समय इसतरह आरोह
होगा म, प, ध, जब शुद्ध म का उपयोग किया
जावेगा उस वक्त आरोहमें प, वर्ज होगा
मध्यम तीव्रतरके लिये निशानी होगी

तार	स
मध्य	स रि ग म ध नि नि ध △ ग प ग म रि स ४
मन्द्र	

तार	स . स	
मध्य	धँ . ऽ ऽ	नि नि . ऽ ध
मन्द्र		

चो . च ल . च . . प
३ २ २ १ ३

तार	
मध्य	ऽ म म . ऽ प प . ऽ ध प ऽ म प
मन्द्र	

ला . . . की ग त . तै .
२ ३ २ २

तार		
मध्य	प . ऽ	ग म रि ग म ध . ऽ ऽ म प
मन्द्र		

सो क म ल य द नी अ नु
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	गु मु . ४ रि स . ९	रि सु ऱि . ४ स
मन्द्र		

. . . प म का . . . मि
२ २ १ ३

तार	
मध्य	स रि सु ऱि . ४ स सु . ४ स रि
मन्द्र	नि

नी सुं . . . द र क र न
२ ३ २ २

तार		
मध्य	स	I रि स . ९ स धु पु . गु . ९
मन्द्र	धु . ४	

. . फू . ल रा . ज त मा . ने .
१ २ २ ३ २ २

तार		रि स सु
मध्य	म	ध नि नि ध नि . ४
मन्द्र		

मं . ग ल गा . . . चो
१ ३ २

तार	स . स	स स . ४
मध्य	ध . १	ग म ध नि
मन्द्र		

चो . च ल मु ग मू र त
३ २ २ १ ३ ०

तार	स स स स स . ४	स स . ४
मध्य		ध ध ध
मन्द्र		

छ वी सुं द र प र म स्या म
३ २ २ १ ३ ०

तार	स रि स स	
मध्य	नि	ध ध प॰ऽ मप प
मन्द्र		

नि स रा . म धा . म द ग वि
३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	ध ध प॰ऽ म प प॰ऽ	स स स ध
मन्द्र		

सा . . . . . ल अ ध र प
२ २ १ ३

तार	स	रि॰ऽ
मध्य	ध प॰१ ध नि नि॰ऽ	ध प ध नि
मन्द्र		

र थी . इ म था र वा र डा . र
२ ३ २ २ १ ३ २

नंबर ७

राग हमीर.

ताल तेवरा (खडजाति तान ता ७)

तार			
मध्य	स . ९	प प . ४ ग ग म . ४	ध
मन्द्र			

श्री . रा म चं द्र कृ पा
२ १ ३ २ २ १

तार	रि स	
मध्य	ध नि ध प . ४	⅄ म प ध
मन्द्र		

. लु भ ज म न ह र न
३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	▵ म प प प॰ ऽ	ग म म ध ▵ म
मन्द्र		

भ व म य दा ॰ र णो न
२ २ १ ३ २ २

तार			
मध्य	प॰ ऽ	ध प ▵ म प प प॰ ऽ	ध प
मन्द्र			

व कं ज ली ॰ च न क ज
१ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	▵ म ▵ म प प॰ ऽ	ग म रि ग म ध
मन्द्र		

मु ख क र कं ॰ ज प द कं
२ २ १ ३ २ २

तार			
मध्य	▲ मु पु • ऽ ऽ	ग म रि स	स • ऽ
मन्द्र		नि	

• जा र णो • श्री
१ ३ २ २

तार		
मध्य	पु पु • ऽ गु गु मु • ऽ	धँ धँ ऽ • पु
मन्द्र		

रा म च द्र कृ पा क
१ ३ २ २ १ ३ २ २

तार	स स स स सु • ऽ	स स
मध्य	नि	नि
मन्द्र		

द र प अ ग णि त अ मि त
१ ३ २ २ १ ३

तार	स स स स़ · ४	स स स़ · ४
मध्य		धँ ध
मन्द्र		

छ वी न व नी ल नी र ज
२ २ १ ३ ? २

तार	स स	ग म रि
मध्य	ध प प़ · ४	नि
मन्द्र		

सुं द रं प ड पी · न मा
१ ३ २ २ १ ३ २

तार	स स · ९	
मध्य		धँ धँ प ▵ म प प प़ · ४
मन्द्र		

· नौ त डी त रु चो ऱ्यो
२ १ ३ २ २

तार	•	
मध्य	ग म रि ग म ध प.४	ग म रि स .१
मन्द्र		

नौ . मि ज न क सू ता . व रौ
१ ३ २ २ १ ३ २

यह अंतरे उपरके भजनके अंतरेके माफक गाना

शिर मुकुट कुंडल तिलक चारु उदार अंग विभूषणं
आजानुभुज शर चापधर संग्राम जित खर दूषणं ॥ १ ॥

भजो दीनबंधु दिनेश दानव दैत्य वंश निकंदनं
रघुनंद आनंदकंद कोशल चंद दशरथ नंदनं ॥ २ ॥

इति वदत तुलसीदास शंकर सेस मुनीमन रंजनं
मम हृदय कंज निवास कुरु कामादि खल दल गंजनं ॥ ३ ॥

तार	स स स स॒ • ४	स स स॒ • ४
मध्य		ध॒॰ ध
मन्द्र		

छ वी न व   नी ल   नी र ज
२ २   १ ३   ० २

तार	स स	ग म रि
मध्य	ध॒ प प॒ • ४	नि
मन्द्र		

सुं द   रं प ट   पी   त   मा
१ ३   २ २   १   ३   २

तार	स स • ९	
मध्य		ध॰ ध॰ प ∆ म प प प॒ • ४
मन्द्र		

• नौ   त टी त   रु चीसु ची
२   १ ३   २ २

तार	.	
मध्य	रि स स . ॅ	स म ग म प प
मन्द्र	नि	

. गे . लि   पा नि या भ र न
१   २

तार	स
मध्य	नि ▲ म ध ▲ म प ग म ग रि
मन्द्र	नि

कै से आ . उ . मो रि . . या
३   २

तार	.	स स स
मध्य	स स . ॅ	प नि नि प
मन्द्र		

. लि   हं ज ल ज मु ना म
१   २   ३

नम्बर ८

राग विहाग.

इस रागमें मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी आरोहम रिषम और धैवत वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल.

तार	स.
मध्य	ग म प नि नि ध प ▲म ग म ग रि स ९९
मन्द्र	नि

तार	
मध्य	स ग स ग म ध ▲ म प ग म ग
मन्द्र	प नि

दे खो स खी क न्है या रो . के ठा डो हे
१ २ ३ २

तार	.	
मध्य	रि स स . ४	स म ग म प प
मन्द्र	नि	

. गे . लि   पा नि या भ र न

१   २

तार	स
मध्य	नि ऽ म ध ऽ म प ग म ग रि
मन्द्र	नि

कै से जा . उ . मो रि . . आ

३   २

तार	.	स स स
मध्य	स स . ४	प नि नि प
मन्द्र		

. लि   हूं ज ल ज मु ना भ

.   १   २   ३

नंबर ८.

राग विहाग.

इस रागमें मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी आरोहमें रिषम और धैवत वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल.

तार	स.
मध्य	गु मु पुनि निधपΔमगुमुगुरि सु ९९
मन्द्र	नि

तार	
मध्य	सु ग सु गु मु धु Δ मु पु गु मु गु
मन्द्र	पु नि

दे खो स खी क न्है या रो . . के ठा डो हे
१ २ ३ २

तार	. .	
मध्य	रि सु सु . ४	सु मु गु मु पु पु
मन्द्र	नि	
	. गे . लि	पा नि या भ र न
		१ २

तार	सु
मध्य	नि ▲ मु धु ▲ मु पु गु मु गु रि
मन्द्र	नि
	कै से जा . उ . मो रि . . आ
	३ २

तार	.	सु सु स
मध्य	सु सु . ४	प नि नि पु
मन्द्र		
	. लि	हं ज ल ज मु ना भ
		१ २ ३

तार	सॖ गॖ रिॖ सॖ	सॖ गॖ रिॖ मॖ
मध्य	निॖ निॖ नि॒ . ४	
मन्द्र		

र न व र से जा ती वि च मे मि
२ १

तार	गॖ रिॖ स॒ सॖ .
मध्य	नि॒ धॖ पॖ मॖ ग॒ रि॒ स॒४
मन्द्र	निॖ

ल ग ये प नं द जि के . छो रा
२ ३ २

नंबर ९

राग बिहाग.

ताल झपताल

तार	.	सु स
मध्य	प नि • Y	नि नि धु ▲ मु पु I
मन्द्र		

स खी आ ज नं द नों . . .
१ २ ३

तार		
मध्य	पु • Y धु मु पु .	गु ग प म ग रि
मन्द्र		. नि

द गु ल . फं द मु र चं . .
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	सु I सु . Y	स प पु धु ▲ मु पु I
मन्द्र		नि

. . द द स त था नं . . .
१ २ ३

तार		
मध्य	म ग .१	ग ग म प ध ग म ग रि
मन्द्र		नि

द सो   म ची . . . . हो . .
२   १   २   ३

तार		स
मध्य	स ग म प नि . ४	प प नि नि
मन्द्र		

. री . स खी   ए क स ग ग्या
२   १ २   २

तार	स स . १	स स रि स ऽ
मध्य		नि नि ध
मन्द्र		

ल ने   शा म सो . . . . गा .
२   १ ०   ३

तार	·स	स ग म प म
मध्य	△ म प प नि · Y	
मन्द्र		

· · त क र   रु त · त्रि ज
३   १ २

तार	ग रि स स रि स · Y	
मध्य	नि	नि ध
मन्द्र		

ना · · · र मि ल   रा धा
३   २   १ २

तार		
मध्य	△ म प Y म ग म · Y	
मन्द्र		

· · · · गो रीं ·
२ २

तार		
मध्य	म ग .१	ग ग म प ध ग स ग रि
मन्द्र		नि

द सो म ची . . . . . हो . .
२ १ २ ३

तार		स
मध्य	स ग म प नि . ४	प प नि नि
मन्द्र		

. री . स खी ए क सं ग ग्वा
२ १ २ २

तार	स स . १	स स रि स ऽ
मध्य		नि नि ध
मन्द्र		

ल ने शा म सो . . . या .
२ १ २ ३

तार	· सु	सु गु मु पु मु
मध्य	▲ मु पु प निु · ऽ	
मन्द्र		

. . त क र   र त . त्रि ज
  २   १ २

तार	गु रि सु सु रि सु · ऽ	
मध्य	नि	नि धु
मन्द्र		

ना . . . र मि ल   ग धा
३   २   १ २

तार		
मध्य	▲ मु पु ऽ मु गु मु · ऽ	
मन्द्र		

. . . . गो री .
  २ २

नंबर. १०.

राग बिहाग.

ताल धमार मात्रा १४.

तार		
मध्य	ग म	ग सससरिस स
मन्द्र		नि नि प

ज य रा . म रू प अ नू प ति
१ २ ३ २

तार		
मध्य	स स स.४	स स ग ग म प प नि
मन्द्र		नि

र गू ण स गू ण गु ण प्रे . र क
१ २ ३

तार		
मध्य	ध प ध ऽ म . ऽ ऽ ग म	प नि नि
मन्द्र		

व . हि . द श शी श
२ १

तार	सं सं सं
मध्य	नि प ध ऽ म प ऽ म ग . ऽ
मन्द्र	

वा हु प्र च ड ग . . ड न
२ ३ ०

तार	
मध्य	ग ग म नि ध ऽ म प ऽ प म ग रि
मन्द्र	नि

चा प दा र मं . . . ड न म र्दी .
१ २ ३ २

तार			सु सु सु सु
मध्य	सु ऽ	ग म	प नि नि
मन्द्र			

. . पा . यो . द गा त स री
१ २ ३

तार	सु रि सु .		सु ग
मध्य	नि ग म		प नि नि
मन्द्र			

ज मु . ए रा . जी . व आ य
२ १ २

तार	म ग सु	सु पु मु	ग
मध्य	नि नि . ?		
मन्द्र			

त रो . च नं नि त . नौ
३ २ १

तार	स स रि स
मध्य	नि नि ▲ म प ध ▲ म
मन्द्र	

· मि रा व ह पा · लु वा ·
२ ३ २

तार		
मध्य	प ऽ ▲ म म	ग ग प नि ध ▲ म · प
मन्द्र		

· · हु वि दा ल म य भ य
१ २

तार	
मध्य	ग म ग रि स · ४
मन्द्र	नि नि

मो · च न · · ·
३ २

नंबर ११.

राग खमाज संकीर्ण.
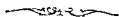
इसमें गधार दो शुद्ध और अतिकोमल धैवत दो शुद्ध और अतिकोमल निषाद अतिकोमल, अतिकोमल धैवत और शुद्ध गधारके वास्ते निशानि होगी वाकीके सब शुद्ध स्वर

तीन ताल.

तार	सॖ
मध्य	सॖ रिॖ गॖ मॖ ० ग म पॖ धॖ निॖ
मन्द्र	

तार	
मध्य	निॖ धॖ प ४ धॖ पॖ गॖ रिॖ स . १
मन्द्र	

तार	
मध्य	प ० ग म स रि प ग ग ग रि रि ग ग
मन्द्र	

प्री त री त र घु रा . . ह हो जी
१ २ ३ २

तार		स रि स
मध्य	रि स रि	नि ध प ध ध
मन्द्र		

. न त हो . मा . ते स ब हा
१ २

तार	
मध्य	नि ध प नि ध म प म ग म म प ग
मन्द्र	

ते क र रा . से रा म स ने ह न गा
३ २

तार		
मध्य	ग रि	ग ग रि स रि प ९ ग ग रि
मन्द्र		

. ई हो जा . न त पी हो जा
१ २

तार		
मध्य	स रि प ९ ग ग रि स रि ५	नि ध प ध
मन्द्र		

न त पी हो जा न त ति य वि र
३ २ १

तार	स ग स स रि
मध्य	नि ध ध नि नि नि ध
मन्द्र	

ही सु श्री व स ला ल सी प्रा न पि या
२ ३

[५५]
तार
मध्य
मन्द्र
सु सु सु सु सु सु
पु धु नि धु पु धु
वि सु रा ई र न प यो वं धु वि भी
तार
मध्य
मन्द्र
पु पु धु पु धु पु पु धु नि धु पु
रा न ह को सो च ह द य अ धि
तार
मध्य
मन्द्र
मु धु पु मु गु गु रि सु रि नि धु
का • ई हो जा • न त ध न

तार		
मध्य	ग रि	ग ग रि सु रि प ॰ ग ग रि
मन्द्र		

. ई हो जा . न त पी हो जा .
१ २

तार		
मध्य	सु रि प ॰ ग ग रि सु रि४	नि ध प ध
मन्द्र		

न त पी हो जा . न त ति य वि र
३ २ १

तार	सु रा सु सु रि
मध्य	नि ध ध नि नि नि ध
मन्द्र	

ही सु ग्री व स खा ल खी प्रा न पि या
२ ३

तार	
मध्य	नि ४ धु ४ धु पु पु पु नि ४ धु पु मु
मन्द्र	

की र चि मा धु री न पा . ई
३

तार	
मध्य	गु गु रि सु रि ४
मन्द्र	

हो जा . न त
२

नंबर १२.

राग छायालगत्व खमाज.

इसमें दो गन्धार और दो निषाद लगते है एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल, अतिकोमल गधार और अतिकोमल निषादके लिये निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर

चार ताल.

तार			सु	सु	सु	सु		सु	सु	सु	सु	सु
मध्य	पु	धु					धु					
मन्द्र												
	गु	रु	गृ	ह	प्रि	य	स	द	न	सा	सु	रे
							२					

तार												
मध्य	नि	नि	नि	नि	धु	धु	पु	धु	नि	धु	पु	धु
मन्द्र												
	भ	ई	ज	व	ज	हा	प	हु	ना	ई	त	व
	३								२			

तार	सु	सु		सु		सु	सु	सु	सु		
मध्य			धु		धु					नि	नि
मन्द्र											
	त	ह	क	हे	श	व	री	के	व	र	न
			१							४	

तार	स स . स रि स
मध्य	नि प नि ४ नि ध
मन्द्र	

रा ज त र घु वी . र धी .
१ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	प ध	म प प ४ नि ध म प म ग
मन्द्र		

. र भं ज न भ व वि . र पी
२ १ ३ २ ३ २ २

तार		स स
मध्य	ग . ४	स म ग म प ध नि नि
मन्द्र		

र हा र न स क ल स र जु ती
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	४ नि पु धु . ४	
मन्द्र		

• • •
२

नंबर १३

राग खमाज.

इसमें दो निषाद लगते है एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल अतिकोमल निषाद के वास्ते निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल झपताल.

तार	स रि
मध्य	स नि ४ नि ध ध म ग स
मन्द्र	

अ रु न द ल म ल न को .
१ २ ३ २

तार	स स स रि स .
मध्य	नि नि ॰ नि ध ध . ॰
मन्द्र	

र न द नु ज व ल भि अं ग .
३ २ ३ २ २

तार	स स स . ॰ रि
मध्य	ग म प ध नि नि
मन्द्र	

अं ग अं ग छ वि अ नं ग अ
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	॰ ग रि स स स स .
मध्य	नि ॰ नि ध
मन्द्र	

ग क्षि त म न मो . हैं .
३ २ ३ २

तार	स स रि सृ
मध्य	नि नि ४नि धृ ऽ ९
मन्द्र	

प . ति मि ल . न को
२ ३ २

तार	स स ग म रि	स
मध्य	ग म प ध नि	नि
मन्द्र		

ते . रे . ढीं ग ओ . . र स .
१ २ ३ २ १

तार	सृ
मध्य	४ नि ध म प ध म ग . ९
मन्द्र	

. वे . . . . ग्र ह
२ ३ २

तार	स रि सृ • ४
मध्य	ग म म प ध नि नि ४ नि
मन्द्र	

सा कि औ र द ल प्र च ल प
१ २ ३ २ १

तार	सृ
मध्य	ध प ४ नि धृ ४ नि ध प ध म ग
मन्द्र	

र भो . . . . म . . प र
२ ३ २

तार	स स स स स स स स
मध्य	नि नि
मन्द्र	

च सो ह प्र प . ति भु व
१ २ ३ २ १

तार	स स रि स
मध्य	नि नि नि ध ९ ९
मन्द्र	

प . ति मि ल . न को
२ ३ २

तार	स स ग म रि	स
मध्य	ग म प ध नि	नि
मन्द्र		

ते रे हीं ग ओ . र स
१ २ ३ २ १

तार	स
मध्य	नि ध म प ध म ग . ९
मन्द्र	

. वे . . . ग्र ह
२ ३ २

नंबर १४.

राग देश.

आरोह में गंधार और धैवत वर्ज. निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल. अतिकोमल निषाद के वास्ते निशाना होगी. बाकी सब शुद्ध स्वर.

तीन ताल.

तार	स स
मध्य	रि रि म प नि नि ψनि ध ψनि
मन्द्र	

कु व जा ही म न मा नो . . .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	ध प	म प म प ध ψनि ध म ग म
मन्द्र		.

मा से अ यो ल नो . . . औ .
१ २

तार		रिॖ रिॖ रि सॖ सॖ सॖ .
मध्य	नि॒ प॒	९ पॖ ४ नि॒
मन्द्र		

. धे मि टी . ता न सु ना धे
१ २ ३

तार		
मध्य	४निॖ . धु धॖ पु पॖ ९	प॒ . मु पु धु ४ नि॒
मन्द्र		

. . छ ति यां चो ल नो . .
२ १ २

तार		
मध्य	धु म॒ गॖ रिॖ ग॒ ९ रिॖ सु . ४	
मन्द्र	निॖ	

. जी रा . . . ज था री
३ २

नंबर १५.

राग जयजयवंति संपूर्ण.

इसमें दो गंधार एक शुद्ध व दुसरा अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल अतिकोमल निषाद और गधार के वास्ते निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर

झपताल.

तार		
मध्य	स रि ग म ग रि ४ग रि	स
		नि
मन्द्र	नि	
	ते · रो · क · छ · · · न ·	
	१ २ ३ २	

तार		
मध्य	स ५ ४	ग म म ध ग म रि ० ५ ४
मन्द्र		
	दी ·	जा · त ज सो · दा · ·
		१ २ ३ २

तार	स़
मध्य	. स रि म रि म प ध ४नि ऽ ४
मन्द्र	नि

उ ः मे . जो व न जा . त
१   २   ३   २

तार		
मध्य	ध प ध ग म प ध म ग रि ऽ ४	म प
मन्द्र		

पी या वे . न मे . . रो . .   जी न
१   २   ३   २   १

तार	स स स स ऽ ४	स
मध्य	नि नि	नि
मन्द्र		

फे .   पि या प र   वे .
२   ३   २   १

नंबर १६.

राग जयजयवंति संपूर्ण.

चार ताल.

तार	
मध्य	रि रि ग रि रि ग प म ग रि • ४ रि ४ग
मन्द्र	

म धे . . रा . त आ . . इ
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	स • ४	स रि ४ ग रि
मन्द्र	नि	नि नि

. . स य . मू . स
१ ३ २

तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र

तार		स स
मध्य	स . ४	म प नि नि नि
मन्द्र		

द   म फू ली . त कुं ज
१ ३ २ ३ २

तार	स स . ९	स रि ४ग रि रि स .
मध्य		नि
मन्द्र		

घ न   पा . ल च न व .
२ १ ३ ०

तार	स
मध्य	४नि ध ध . प ध म . ग रि ९
मन्द्र	

ल . . म . घ न . .
३ २ २

तार
मध्य
मन्द्र
स
म म रि रि प प प प . ९ ४नि
त सो . ही . र सी क . रा .
ध . ४नि ध प म ग म ध ग म ग
. ज रा . . ज त जा नं
रि . रि ४ग स . ४
नि .
. य . . द

नंबर १७

राग जयजयवंति.

ताल धमार

तार	
मध्य	रि रि . ४ रि प म ग रि रि ४ग रि स .
मन्द्र	

शा म शा म सो हो री
१ २ ३

तार		
मध्य	रि स	
मन्द्र	नि नि. ध ४नि .४	नि

रे . ल त आ
२ १

तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र

तार	
मध्य	रि म प ध स ग रि रि रि ४ग़ ऱि
मन्द्र	नि

आ . . . . प भ इ .
१ ० ३ २

तार		स स स
मध्य	स	म प नि
मन्द्र	ध ४ नि़ . ४	

. . . स खा स खि भ
१ २

तार	स़ . ४ स रि रि ४ग रि स़ . ४
मध्य	नि
मन्द्र	

ये स खि स खा . भ ई
३ २

तार
मध्य
मन्द्र
य मु म ती
भ व न ग
तार
मध्य
मन्द्र
गा ज त
तार
मध्य
मन्द्र
ता ल मृ द ग ध्वा ज

तार			रि	स	.			
मध्य	स॒ · ४	नि			४नि	ध	४नि	
मन्द्र								
	फ	ना	·	च	त	थै		·
		१						२

तार									
मध्य	ध॒ · ४ ग म ग		स						
मन्द्र		नि		ध	४नि॒ · ४				
	·	थै ·	·	·	·	·	·	·	·
		३	२						

नंबर १८.

राग केदार.

इसमे गधार वर्ज मध्यम दो. निषाद दो अतिकोमल निषाद और तामतर मध्यमके वास्ते निशानी होगी बाकी सब शुद्ध स्वर.

ताल चारताल

तार		
मध्य	म रि स म प प • ४	ध ४ नि ध प ▲ म
मन्द्र		

स र स सी . स   मों . र मू गू
३ २ २   १ ३ २

तार		
मध्य	प • ४ ▲ म प ध • ध प म • ९	प ध प
मन्द्र		

. ट पा . . छ न कों . रा . .
३ २ २ १ ३

तार	स
मध्य	नि ध • ४ ▲ म प ध • प म ९ • ४
मन्द्र	

ज त . कुं . . ड ल .
३ २ २

तार	
मध्य	म म म म ध प • ४ प म म रि ग • ४
मन्द्र	

ल ल त कु टी ल   अ ल क भा-ल
१ ३ २   ३ २ २

तार	
मध्य	स स रि स • ४ स स म म ध प ▲ म
मन्द्र	

वि शा ल   ति ल क मृ ग म द
१ ३   २ ३ २ २

तार		
मध्य	प • ४	म रि स रि स • ४ म रि स
मन्द्र		

थे   नी के ढ ल थे   म र स
१ ३ २   ३ २

तार		स स स स स
मध्य	म प प • ४	प ध प
मन्द्र		

सी स भ व य ध न के ने न
२ १ ३ २ ३ २

तार	स स स • ४	स म म रि स • ४
मध्य		नि
मन्द्र		

क म ल ना स की र आ
२ १ ३ २ २

तार	स	
मध्य	नि ध प • ४	म प प ध ४ नि
मन्द्र		

ध र विं ब द स न गूं •
२ २ १ ३ २

तार		रि स
मध्य	ध॒ • ४ प॒ ध॒ प॒ म॒ म॒ • ४	म॒ प॒ प॒ • ४ प॒
मन्द्र		

ज कं • ठ कं व॒ ता म द म न को
३ २ २ २ ३ ३

तार		
मध्य	नि॒ ध॒ प॒ ध॒ प॒ • ४	प॒ म॒ रि॒ स॒ रि॒ स॒ • ४
मन्द्र		

• • स्तु • म शो • मे झ ल के
२ २ १ ३ २

नंबर १९

राग केदार.

ताल धमार.

तार	
मध्य	स रि स म . ९ म प प प ४ म ध प
मन्द्र	

हो . री रे मो ट न हो . . .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	म . ९	प ध ४ नि ध प ५ ९ प ध म .
मन्द्र		

री रं . . . ग हो . .
१ २ ३

तार		स . ९ स .
मध्य	प स रि स . ४	म प प प
मन्द्र		

तार		रि स
मध्य	ध़ • ऽ प ध प म म़ • ऽ	म प प़ • ऽ प
मन्द्र		

ज कं • ठ कं बू ता म द म न को
३ २ २ १ ३ ० ३

तार		
मध्य	नि ध प ध प़ • ऽ	प म रि स रि स़ • ऽ
मन्द्र		

• • स्तू • भ शो • भे इ ल के
२ २ १ ३ २

नंबर १९.

राग केदार.

ताल धमार.

तार
मध्य
मन्द्र
हो . री रे मो ह न हा . . .
री रं . ग हो . .
. . री पा ल्ह ह म रे आ

ार	स रि	स म म
ाय	म •१	म प प •४ प
द्र		

ग न मे गा • री दे आ यो सो
४ १ २ ३

ार	स
ाय	ध ४ नि ध प प म • ४
द्र	

• • को • • री
२

नंबर २०

राग पूरिया.

इसमें पंचम वर्ज रिषभ, धैवत अतिकोमल, म, तीव्रतर बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल धमार

तार		
मध्य	म ग रि सा सु • ४	रि
मन्द्र	नि	नि म •

च ली ना • • र व न ठ
३ २ १ २

तार		
मध्य	सु स • ५ ४	रि ग
मन्द्र	ग • ४ म ध नि	नि

न हो • • • री ये ल न
३ २ १

तार	
मध्य	म ग • ४ म ग • ५ ४ म ध म • ग • ४
मन्द्र	

• • लि ये पी च • •
२ ३ २

तार	स रि	स म म
मध्य	म •९	म प प • ४ प
मन्द्र		

ग न मे गा . री दे आयो सो
॰ १ २ ३

तार	स
मध्य	ध ४ नि ध प प म • ४
मन्द्र	

. . . को . . री
२

नंबर २०.

राग पूरिया.

इसमें पचम वर्ज रिषभ, धैवत अतिकोमल, म, तीव्रतर बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल धमार

तार		
मध्य	म ग रि स स • ४	रि
मन्द्र	नि	नि म •
	च ली ना . . र ३ २	व न ठ १ २

तार		
मध्य	स स • ४ ४	रि ग
मन्द्र	ग • ४ म ध नि	नि
	न हो . . . री ३ २	से ल न १

तार	
मध्य	म ग • ४ म ग • ४ ४ म ध म • ग • ४
मन्द्र	
	. . लि ये पी च -

नंबर २१.

राग पूरिया.

तीन ताल.

तार		
मध्य	म ग़ ऱि स़ स़ स़ स़	स स़ स़ ऱि
मन्द्र		ऩि
	रा म य द न म ति	मौ जु वि लो ·
	३ २	१ २

तार		
मध्य	स स़ स़	स़
मन्द्र	ऩि धु · ४ म धु धु	ऩि
	क य शा र द को टि श शि	न
	३ २	१

तार	रि
मध्य	नि नि ध • ४ ध म म म ग म ध
मन्द्र	

च . ल च कू . . कू म ति ल
२ ३ २

तार	रि	
मध्य	नि	ध म म ग रि म ग • ४ रि स
मन्द्र		

क ल ला . . . . टं . सु ह
१ २ ३

तार		
मध्य	स स स स स स	रि रि म म •
मन्द्र	`	नि नि

द य ह द य वि शो . . प क रं
२ १ २

तार	रि
मध्य	ग रि स • ४ रि ग ग म ध नि
मन्द्र	नि

• क रु णा • म य न य न वि
३ २

तार	
मध्य	ध म म ग रि म ग • ४
मन्द्र	

पा • • • • टं
१ २

नंबर २२

राग पूरिया.

ताल तीनताल
तराना.

तार		
मध्य	रि ग ग रि रि स स स .४	रि स
मन्द्र	नि	

तॉं त न न त न त त न   दे रे
 ३   २   १

तार		
मध्य	स स . ९ स	स
मन्द्र	नि ध ९ ध ध नि नि	

ना . त न दे रे ना . त न   ना
 २   ३   २   १

तार	
मध्य	रि रि रि रि स स स रि रि स स स
मन्द्र	नि

दे रे दे रे त न न नि ता न नि त त
 २   ३   २

तार		
मध्य	सु . ४	रि सु
मन्द्र		नि . ९ मु मु धु नि नि

न दे रे ना . त न न न दे
१ २ ३

तार		
मध्य		स सु स
मन्द्र	नि धु मु मु . ४	मु मु धु म धु

रे ना . . दे रे ना दीं त ना . दीं
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स सु सु सु . ४	स ९ रि रि
मन्द्र		धु ध नि

दीं त न न ता दीं दीं . दीं त न
१ २ ३

तार		
मध्य	म ग • ९	रि रि ग ग ग म म ध
मन्द्र		नि

ना • दीं त न न न दीं त न न
२ १ ० ३

तार		
मध्य	म म ग ग ग •ॅ	म नि ध म म म ध
मन्द्र		

न न न न न दीं दीं त न न त
२ १ २ ३

तार		
मध्य	नि ध म म म	ग • स स स स स स
मन्द्र		

दीं दीं त न न दीं दीं त न न न न
० १ ० ३

तार		
मध्य	स रि स ०	म म रि ग म ध म •४
मन्द्र		

दे रे ना दे रे ना दीं त ना •
२ १ २

तार		
मध्य	नि ध म ध ग ग	म म म म ग ग रि रि
मन्द्र		

• दीं दीं त न न द र द र द र द र
३ २ १

तार	
मध्य	स स रि ग ग रि रि स स स • ४
मन्द्र	नि

दा नि तों त न न त न त त न
२ ३ २

तार		
मध्य	म ग • ९	रि रि ग ग ग म म ध
मन्द्र		नि

ना दीं त न न न दा त न न
२ १ ० ३

तार		
मध्य	म म ग ग ग • ४	म नि ध म म म ध
मन्द्र		

न न न न न दीं दीं त न न त
२ १ २ ३

तार		
मध्य	नि ध म म म	ग • स स स स स स
मन्द्र		

दीं दीं त न न दीं दीं त न न न न
२ १ २ ३

तार	सु सु सु सु सु रिु	गु रिु सु
मध्य	धु मु मु निु	
मन्द्र		

र द र तुं द र द र धि ल्लां . तुं द
२ १

तार	सु सु सु रिु
मध्य	निु निु निुधुधु धु धु मु धु निु धु
मन्द्र	

र द र धिल्ला . तुं द र द र धिल्लां . तुं
२ ३ २

तार			
मध्य	मु मु मु मु	मु मु मु . गु गु रिु रिु सु सु.४	
मन्द्र			

द र द र द र द द र द र दा नि
१ २

तार	स̱ स̥ स̥ स̥
मध्य	ग̥ ग̥ ग̮ ग̮ ग̮ ग̮ म̥ म̥·ध̥ ध̥
मन्द्र	

ना दिर द र द र गि ति ल न दीं त न न
१ २ ३ २

तार	स̥ स̥ • ४	स̥ स̥ स̥ स̥ रि̥
मध्य		नि̥ नि̥ नि̥
मन्द्र		

न दीं त न न न नि त न मु
१ २

तार		
मध्य	ध̥ नि̥ ध̥ ध̥ म̥ म̱ नि̥	ध̥ ध̥ म̥ म̱ ध̥ ग̥ ग̥ म̥ ध̮
मन्द्र		

नि त न – गि ता रे त न गि ता रे त न ना द
३ ० १ २ ३

तार	सु सु सु सु सु रि	गु रि सु
मध्य	धु मु मु नि	
मन्द्र		

र द र तुं द र द र धि त्ला . तु द
२ १

तार	सु सु सु रि
मध्य	नि नि निधुधु धु धु मु धु नि धु
मन्द्र	

र द र धित्ला तु द र द र धित्ला . तुं
२ ३ २

तार		
मध्य	मु मु मु मु	मु मु ग [illegible] गु गु रि रि सु सु [illegible]
मन्द्र		

द र द र द र द द र द र द्रा नि
१ २

नंवर २३.

राग कानडा संपूर्ण.

इसमे गधार धैवत कोमल, निपाद दो, एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल अतिकोमल निपाद के वास्ते निशानी होगा वाकीके सव शुद्ध स्वर

ताल चार ताल.

तार		
मध्य	स म रि स रि॒ · ॰	
मन्द्र	नि .	धॅ धॅ धॅ ध

तु व · मु र त   रु · प रे
३ २ २   १ ।३

तार		
मध्य		सु ·
मन्द्र	॰नि पु · ॰ मु पु धॅ धॅ ॰नि॒ · ॰	

· स रं ग सीं · य नी
२ ३ २ २ १३

तार	
मध्य	स स · ९ रि स स ·
मन्द्र	नि नि नि ध · ४

आ . ये . आ . ले री . .
२ ३ २ २

तार	
मध्य	. स रि रि ९ रि ग॑ · ९ ध
मन्द्र	म प नि

ध न ध न ध न चि रं . च
१ ३ २ ३ २

तार			
मध्य	ग॑ · ९	ग म रि स स. ४	म प ध · ९
मन्द्र			

त फा . री य द तु . मों .
२ १ ३ २ १ ३ २

तार	सु . सु सु . ४	सु .
मध्य	नि नि	नि
मन्द्र		.

तु हि . औ . र दे . खी
३ २ २ १ ३

तार	स रि सु .
मध्य	नि ध . ९ ध ४ नि पु . ४
मन्द्र	

. न ले . . . खी . ये
२ ३ २ २

तार	
मध्य	प ग . ९ ग म प ग रि रि सु . ४
मन्द्र	

तु व . प . र मे रि झा ई
१ ३ २ ३ २ २

[१०१]
20804
तार
स
मध्य
स रि म प धँ •१ नि ध
मन्द्र
नि
दे य लो • क मे • ना • दे
१ ३ २ ३ २
तार
मध्य
४नि प ध • ४
रि म रि स स • ४
मन्द्र
• • ना • री य द
२ १ ३ २
20804

नंबर २४

राग कानडा

ताल तीनताल

तार	
मध्य	स़ • ४ स स़ स़ स स़
मन्द्र	धॅ धॅ नि नि़
	सो • इ • क री म र ही म
	१ २ ३ २

तार	
मध्य	स स़ स स़ स़ स़ स़ रि़
मन्द्र	नि़ नि़ धॅ ४ नि़
	ह की म पा क प र व र दि गा •
	१ २ ३ २

तार		
मध्य		सु सु
मन्द्र	पु	मु मु पु पु धु॒ नि नि नि नि

र ग र चि य को ग र य दू र क
१ २ ३ २

तार		
मध्य	सु रि • ४	रि रि गु॒ मु पु गु॒ मु पु गु॒
मन्द्र		

र डा र त है छि न में दु खि या
१ २ ३ २

तार		
मध्य	गु॒ • ४	मु रि सु रि॒ सु • सु रि.सु
मन्द्र		नि

को • मो रे दा ता • ये
१ २ ३

तार		
मध्य	सु ४ रि सु . ४	स ग मु मु प प
मन्द्र	नि	
	. . तु व	जो मौ म न की इ
	२	१ २ ३

तार		
मध्य	प प	मु पु ४नि ४नि पु मु रि सु रि
मन्द्र		नि
	छा सो	पु ज वो . . . . . सा .
	२	१ २ ३

तार		
मध्य	स स	स स रि मु
मन्द्र	४नि ४नि	मु पु धु
	. इ स दा	रं ग को दी जे दी न
	२	१ २ ३

तार		सु • ९
मध्य	मु पु ४नि पु	४नि ४नि पु
मन्द्र		

दु नी में • जो वा • त
२ १ २

तार	
मध्य	मु रि सु सु रि सु सु ४ रि सु • ४
मन्द्र	नि नि

• • • • • ये • • तु व
३ २

नंबर ७०.

राग कानडेकी बहार.

इसमें गधार दो शुद्ध और कोमल, धैवत दो शुद्ध और कोमल निपाद दो शुद्ध और अतिकोमल, शुद्ध ध, ग, और अतिकोमल नि के वास्ते निशानी होगी. वाकी सब शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल

तार	सु सु	
मध्य	नि नि ४नि पु मु रि सु रि	गॅ म
मन्द्र		

उ द त न द त न द या न रे दि
३ २ १

तार	सु सु रि सु	
मध्य	प धॅ ५४ नि ४नि	धॅ . ९
मन्द्र		

ता नो . दिं त न न दे रे ना
२ ३ २ १

तार	
मध्य	धॅ धॅ ४नि पु पु पु मु ४नि पु गु . ४
मन्द्र	

दीं दी . त न न न दे रे ना
२ ३ २

तार	
मध्य	ग म प ऽ ग . ९ ग म स स स स . ४
मन्द्र	

ता . . . नों दीं दीं त न न न
१ ० ३ २

तार	
मध्य	स . स स म ऽ म म म म म म प प प
मन्द्र	

दे र ना दे र ना द र द र त न न
१ २ ३

तार		म . म म . ४
मध्य	प ४ नि म प . ४	ग . ग
मन्द्र		

न दे रे ना दे र ना दे र
२ १ २

तार	सु सु रिं रिं
मध्य	स़ प़ ф ग़ म़ प़ ф ध़ नि़
मन्द्र	

ना त दा नि त न तू द र त द
३ २

तार	सु रिं सु सु
मध्य	४नि ४नि पु . ४ नि नि
मन्द्र	

र दा नि त दा नि उ द त
१ २ ३

तार	सु	
मध्य	४नि पु मु रिं सु ०	मु मु मु मु पु पु
मन्द्र		

न द त न द . य ल लि य ल लि
२ १ २

तार	सु सु सु . ४	रि
मध्य	धु॒ धु॒ नि नि नि	४नि
मन्द्र		

य ल लॉ य ल लॉ य लि य ला
३ २ १

तार	सु रि स सु . सु रि	रि
मध्य	नि धु धु नि	
मन्द्र		

य ला या ला . ले य ल ल ल ला
२ ३ २ १

तार	सु . ४ स स
मध्य	नि . मु मु पु मु पु . पु मु
मन्द्र	

. ले उ द नि ता त दें रे ना दीं
२ , ३ २

तार		
मध्य	पु	४नि ४नि पु मु रि रि सु . ४ सु सु
मन्द्र		

. त न न न दे ` ना ना द
१ २ ३

तार		
मध्य	सु सु सु मु मु मु मु मु मु मु मु	पु पु
मन्द्र		

र द र तुं द र द र द र द र द र
२ १

तार	सु म
मध्य	पु पु पु पु पु पु ४नि ४नि पु पु पु पु पु पु
मन्द्र	

द र द र द र द र द र द र द र धिरला
२ ३

तार	ऱिरिरिसुसुम	ऱिसु सु .
मध्य		नि ४निपु . ४
मन्द्र		

तुं द र द र ता रे दा नि त दा नि
२ १ २

नंबर २६.

कानडेकी बहार.

तीनताल.

तार		सु
मध्य	४नि प मुपुगुमु ४	धुँ नि नि
मन्द्र		

फैं सी नि फ सी . चां . द नी
३ २ १ २

तार	सु Y	
मध्य	नि ४नि नि प म म म म	ग
मन्द्र		

. . स र द ै न म द् मा
३ २ १

तार	
मध्य	म म प रि रि स स Y म म प प ध
मन्द्र	

. तीं यो क ल भ ई पि उ पि उ टे
२ ३ २

तार		स सु Y
मध्य	म प φ ग म	ध नि नि नि
मन्द्र		

. र त भा . मि नी . .
१ २

तार	सृ सृ सृ लृ	सृ रि
मध्य	मृ मृ ᵞनि धु ᵞनि	नि
मन्द्र		

छि न आं . . ग न छि न जा . त
३ २ १

तार	सृ रि रि
मध्य	धृ धृ ᵞनि ᵞनि पु मृ मृ मृ
मन्द्र	

भु व न मे छि न वै ठ त छि
० ३ २

तार		
मध्य	मृ	गृ मृ मृ पृ रि सृ सृ सृ सृ मृ
मन्द्र		नि

न ठा . ड़े हु ईं र त च ल न प
१ २ ३

नंबर २७.

राग कामोद.

इसमें दो मध्यम लगते हैं, एक शुद्ध दुसरा तीव्रतर, जब शुद्ध मध्यम लगे उसवक्त अवरोह करना, और तीव्रतर लगे उसवक्त आरोह करना, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार		
मध्य	० प प ध ध . प	म . म प ध ▲ म प ग
मन्द्र		

जा ने न यां . गी रि मा ई , . था
२ १ २ ३

तार		
मध्य	म रि स स रि स . ४	स स
मन्द्र		नि ध . नि नि

प ने या ल म कों ने . न न मे क
२ १ २

तार		
मध्य	स रि स स स स स • ४	रि स रि स
मन्द्र		

र रा खो प ल ख न मुं • द
३ २ १

तार	
मध्य	रि स रि स ५४ स रि प ११ प प ध ध • प
मन्द्र	

मुं • • द • क रे • • आ ने न यो •
२ ३ २

तार		स
मध्य	म • स प ध ∆ म प ४	म म प प
मन्द्र		

गीं रि मा ई • • ज ब आ वें गे
१ ० ३ २

तार	स स स ४ म म रि स
मध्य	ध . प म रि
मन्द्र	

ला ल हि आ . प्र हि मो रे म द
१ ० ३ २

तार	म म रि १ रि स . १
मध्य	१ स ४ ४ ध नि
मन्द्र	

र ले . ह य ल या .
१ ० ३ ०

तार	स रि	स
मध्य		नि ध प प म १ स रि प . ५
मन्द्र		

. . ग्रु . म ग्रु म प रें
१ ० ३

तार		
मध्य	स रि स स स स स • ४	रि स रि स
मन्द्र		

र रा खो प ल ख न　　मु　द
　३　२　　　　　　१

तार	
मध्य	रि स रि स ५४ स रि प ०प प ध ध • प
मन्द्र	

मु　द　क रे　जा नै न द्यो
　२　　३　　२

तार		स
मध्य	म • स प ध ▲ म प ४	म म प प
मन्द्र		

गाँ रि मा ई　　ज व आ वें गे
१　२　　　३　　२

तार	स स स ऽ म म रि स
मध्य	ध . प म रि
मन्द्र	

ला ल हि आ . प्र हि मो रे मं द
१ २ ३ २

तार	म म रि ऽ रि स . ९
मध्य	ऽ स ऽ ऽ ध नि
मन्द्र	

. र ले . ह्र व लै या .
१ २ ३ २

तार	स रि	स
मध्य		नि ध प प म ऽ स रि प .ऽ
मन्द्र		

. . झू . म झू म क रे .
१ २ ३

नंबर २८.

राग कामोद.

ताल झपताल

तार		
मध्य	रि प प प प ध ऽ म प . प . ४	ऽ म
मन्द्र		

गो रे व द न प . . र शा
१ २ ३ २ १

तार	स .
मध्य	प ध नि ध ऽ स ध ऽ म ग रि . ४
मन्द्र	

. म . . धि टा . . ना . .
२ ३ २

तार	·
मध्य	रि प ∧ म प ग म रि स स · ४
मन्द्र	नि

ति ल क · भा · ल ओ · र
१ ० ३ २

तार	स
मध्य	रि प ध प ग म स रि स · ४
मन्द्र	

बुं · · द · न · मा · ई
१ २ ३ ०

तार	स स स स स स · ४	स
मध्य	प प	नि ध
मन्द्र		

गा रे गो रे क र जा में   द रि हा
१ १ ३ २   १ २

तार	रि स	रि प ग म रि
मध्य	नि ध प ·ऽ	नि
मन्द्र		

रि चु रि या · पो छे ग ज र ऑ
३ २ १ २ ३ २

तार	स स ·ऽ	स
मध्य		रि प ध प ग म स रि स · ऽ
मन्द्र		

· बूं · · द · न · मा · ई
१ २ ३ २

नंबर २९.

राग शंकरा.

इसमे मध्यम वर्ज बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है ताल
वक्र चारताल. (आडा चौताल.)

तार	सु सु	
मध्य	ध नि . ४	प ग प ग स सु . ४
मन्द्र		

चं टी .   चं . ड मुं . ट
२ ३   १ २ ३

तार		
मध्य	स . सु रि स . १	स
मन्द्र	नि ध	प ध प

हि . द ल म ली   म हि पा .
२ ३ २ ३   १ २

तार		
मध्य	स स स सु रि सु स सु . ४	ग ग गु
मन्द्र		

सु र सं हा र नी अ घ   म न को
३ २ ३ २ ३   १ २

तार	· स	
मध्य	धनिपध नि ९ · ४	पप गग
मन्द्र		

· · हु लो · क   वि दी ा जै
३ ० २   १ २

तार	
मध्य	रि ग · प ग ग स · ९
मन्द्र	

· · मी की · र्ती
३ २

नंबर ३०.

राग लट.

इसमें सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

ताल तीनताल

तार		
मध्य	स़ .	स • ९ रि ग
मन्द्र	नि	प ऽ ९ ध ध

. . . . अ टी . भू .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि ग	ऽ नि ४ स रि स • ९ रि ग
मन्द्र		नि

. . टी व ती
१ २ ३

तार		
मध्य	ग स	ध प ध प म ग •९ ग म ग रि •९
मन्द्र		

या . व . . . ना ये . .
२ १ २ ३ ०

तार	
मध्य	ग म प म ग रि स स • स
मन्द्र	नि नि

व • • ना • • ये • क • •
१ २ ३

तार			
मध्य	ग • ऽ स स • ४	रि • ९	ग प
मन्द्र	नि		

• • र • त हो वे तो
२ १ २

तार	स • स • स • ९	स •
मध्य	प नि	नि
मन्द्र		

ह मे • हू जा •
३ २ १

तार		
मध्य	ध प म प . प म ग म रि ४	रि रि ग
मन्द्र		

. . . . न त . . . तु म हो
२ ३ २ १

तार		
मध्य	म प म म रि स स .	रि स .९
मन्द्र	नि	

. जा . . . . . न त .
२ ३ ० १ २

तार		
मध्य	रि स . ९ स रि स	।ऽ
मन्द्र	प प नि नि	ध

स र स ज ग . जा . . . . न
३ २ १

तार	स सु॰
मध्य	गु मु पु पु नि धु पु
मन्द्र	पु ९ ॰ ४

त हि य र सा हा य
४ ३ २

तार	
मध्य	म ग ग मु रि स रि स रि स | I
मन्द्र	नि नि

रा दे ता जा ना
१ २ ३ ० १

तार	
मध्य	स
मन्द्र	नि धु नि ४

ये

नंबर ३१.

राग मालवकौशिक.

इसमें रिषभ और पचम वर्ज गंधार धैवत और निषाद
अतिकोमल बाकी के सब शुद्ध स्वर
ताल चारताल.

तार	स .
मध्य	स ग म ध नि नि ध म ग स .१
मन्द्र	

तार	
मध्य	स स स म म ग म स . ४
मन्द्र	ध नि

आ ये र घु वी . र धी . र
१ ३ २ २ २ २

तार	.	
मध्य	म म म म ध म म ग ग . ४	ग म ध
मन्द्र		
	लं क धी. श आ ध ध मा. न १ ३ २ ३ २ २	सं ग स १ ३

तार	स स ग स	
मध्य	नि नि ध . ४	म ध
मन्द्र		
	या . थं ग द स ग २ ३ २ २	री . १

तार		
मध्य	नि ध म म ग ग म स स . ४	ग ग
मन्द्र		
	. ध औं. र द नू . मा. न ३ २ ३ २ २	र द १

तार	स स स	स
मध्य	म ध ध नि नि नि . ४	
मन्द्र		

स र ह स गा व त यु व   तीं
३ २ २ २ २   १

तार	स स स	स म
मध्य	नि ध नि ध ध म . ४	
मन्द्र		

ज ग वं ध न वि धा . न   दे व
३ २ ३ २ २   १ ३

तार	ग स स स स ग स	
मध्य	नि ध . ४	ग म
मन्द्र		

कु सु म व र ख त घ न   जा .
२ ३ २ २   १

तार	.
मध्य	म ध नि ध म ग ग ग म स स • ४
मन्द्र	

के . . र हे न भ वि . मा न
३ २ ३ २ २

नंबर ३२.

राग मालवकौशिक.

तीन ताल.

तार		
मध्य	ग	स • ४ ९ म म
मन्द्र	नि नि नि ध नि	

आ द्या स्म र द म ना शं फ
३ २ १ २

तार	· सु ·	
मध्य	ग म ध नि नि ध नि · ४	ध
मन्द्र		

रा ट म रु व र क रा थ
३ २ १

तार	
मध्य	म ग म ग सु · ४ ग
मन्द्र	नि नि नि ध

म ल नि धा ना आ धा स्म र द
२ ३ ०

तार		सु ऽ स सु
मध्य		म म म ध नि
मन्द्र	नि · ४	

म कं ठी ग र ल ने · श्री अ

नि॒ धृ नि॒	नि॒ नि॒ धृ मृ ग॒ ९ मृ धृ नि॒

न ल शी पीं श शि ध रा रा ड म ह
२ १ २ ३

तार	सृ	
मध्य	नि॒ धृ नि॒	धृ मृ गृ मृ ग॒ सृ • ४
मन्द्र		

व र क रा अ म ल नि धा ना
२ १

तार		सु मु ग॒ ४ .
मध्य	ग॒	
मन्द्र	नि॒ नि॒ नि॒ धृ नि॒ • ४	

आ या स्म र द म भू ता त्मा
३ २ १ २ ३

तार	·	स · स
मध्य	म ध · नि	ध · नि म ·
मन्द्र		

प रा त्प रा म है श्व रा
२ १ २ ३

तार		
मध्य	ग · म	स · ९ म ग म ध म ध नि ध
मन्द्र		

भा व रा म व रा न व रा न व
२ १ २ ३ २

तार		स स स
मध्य	नि · ४	नि नि नि ध ध
मन्द्र		

रा डु स रा प्र रा ऽ —

तार		
मध्य	म म ग	ग स म म ग • ४ म ध नि
मन्द्र		

रा दि ग   व रा श क रा   ड म रु
२   १   २   ३

तार	स	
मध्य	नि ध नि	ध म ग म ग स ग
मन्द्र		नि

च र क रा   अ म ल नि धा ना आ धा
२   १   २   ३

तार		
मध्य		स स ग स स
मन्द्र	नि नि ध नि • ४	नि

स्म र ह म   ब्र ह्मा च्यु त यु त
२   १   २

तार		
मध्य	म म • ४ ध म ग म	ध ध • ४ नि ध
मन्द्र		

गा ती मु नि व र यो गा व रि
३ २ १ २

तार	स	स
मध्य	म ध नि नि • ४ नि ध नि	
मन्द्र		

व रि वा चे उ नि प र रा
३ २ १

तार	स • ४ स स
मध्य	नि ध म नि ध नि ध
मन्द्र	

हे गि रि व र म हा त्म अ पा
२ ३ २

तार		
मध्य	मु	धु म गु मु ग सु • ४
मन्द्र		

र श्रु ती स न पा र
१ २

नंबर ३३

राग कौशिककानडा.

इसम पंचम वर्ज गंधार अतिकोमल निषाद अतिकोमल
जाति षाडव बाकीक सब शुद्ध स्वर

ताल चार ताल

तार	
मध्य	नि ध म ग रि स सु सु सु • ४
मन्द्र	ध नि

ध न ध न ध न मा त ग ग
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स ग म ध ध ध ध नि . ध म
मन्द्र	नि

चा . ह त मु नि ज न . प्र स
१ २ २ ३ २ २

तार		स स
मध्य	म . ४	ग म ध नि नि नि. ४
मन्द्र		

ग प्र ग टी . र घू ना थ
१ ३ २ ३ २

तार	रि स	स
मध्य	नि . ४	नि ध म ग रि स
मन्द्र		

च र न प र न सु ख यी
२ १ ३ २

तार		·
मध्य	स ग म ध़ · ऽ	ग म ध नि
मन्द्र	ध नि	

हा · री · दी · नी ·
३ २ १ ३

तार	स स म स़ · ऽ
मध्य	ध़ · नि नि नि
मन्द्र	

नि धी वू द डा र
२ ३ २ २

तार	स रि स स़ ·
मध्य	नि नि नि ध़ म ग
मन्द्र	

अ रि अ न · ग सी स डा
१ ३ २ ३

तार	.	स म ग ॰ रि स ॰ ४ स रि
मध्य	म म ॰ ४	
मन्द्र	.	

. र आ . . ई . . मृ त
२ १ ३ २

तार	स स	
मध्य	नि ध म ॰ ४	ग म ग रि स ॰९
मन्द्र		

म ध्य लो . क सं . त न को
३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	स ग म ध ॰ ४	
मन्द्र	ध नि	

प्या . री . . .
३ २ २

नंबर ३४

राग बागेसरी

इसमें गधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल, शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगा बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल

तार		
मध्य	० रि ग रि स	रि स ·० स स रि · स
मन्द्र		
	को न ग त	भ इ . ली . . मो
	२	१ २ ३

तार		
मध्य		स स रि
मन्द्र	नि ध · ध	नि प ५ ४ ० नि
	. . रीं	. . पि य न पू
	०	१ २

तार		
मध्य	ग रि स रि रि ऽ ४ म प प ध •	स ग
मन्द्र		

. . . . छे प क . . चा .
३ २ १

तार		
मध्य	रि म ग रि स ० रि ग रि स	I • ग
मन्द्र		

. . . त . को न ग त . ए
२ ३ २ १

तार	स • स ४	स ऽ ४
मध्य	म ध नि ० नि	
मन्द्र		

क व न धं . . . इ
२ ३ २ १

तार	सृ रिृ गृ रिृ स़ . स़ु रि स़ु . ४
मध्य	ф नि़
मन्द्र	

स क ल . व न . . . व
२ ३ २

तार	स़
मध्य	नि नि नि़ धृ ऽ ९ धृ धु नि ऽ धु पु
मन्द्र	

न . . आ ये . डा . . . रे .
१ २ ३

तार		
मध्य	ग . रिृ गृ सु . ४	गृ मृ पृ पु धु म ग रिृ सृ
मन्द्र		

डा . . र . क र . . . पा . त .
२ २ २ ३

नम्बर ३०

राग सोहनी षाडव.

इसमें रिषभ अतिकोमल मध्यम तीव्रतर, पञ्चम वर्ज्य, निषाद तीव्र बाकी के सब शुद्ध स्वर है

ताल तीनताल

तार	स	रि स
मध्य	० ग ग ग म ध नि	नि
मन्द्र		
	ये रि ज सो दा तु स	ल रा ग
	३ ०	१

तार	रि रि स ४० रि स रि स
मध्य	नि नि नि ध
मन्द्र	
	ल रा इ ते रे बु न र ने
	४ ३ ४

तार	स	
मध्य	न ध नि ध नि नि ·४	९ ग ग
मन्द्र		

धू म म चा · · ई का उ
१ २ ३

तार		स रि स रि	
मध्य	ग म ध नि नि		नि नि
मन्द्र			

के लि र से म ट की या द ध कि
२ १ २

तार	स स ९ रि स रि स	
मध्य	नि ध ध	म ध नि
मन्द्र		

लि नि का उ के पि र से ध ग रि या
३ २ १

तार					सृ	९ गृ	रृि	मृ
मध्य	नि़	नि़	धु	नि़	नि़			
मन्द्र								

दू र का . . ई वि च ड
२ ३

तार	गृ रृि		सृ	रृि	सृ	रृि	रृि
मध्य		नि़		नि़			
मन्द्र							

ग र मो से नि प ट त न
२ १ २

तार		सृ सृ ९ रृि सृ रृि सृ	
मध्य	नि़		नि़ धृ धृ
मन्द्र			

ठ व र च्या द हा स त स व

तार	सृ	
मध्य	मृ मृ धृ निृ धु नि॒ निृ · ४	
मन्द्र		

ब्रि ज कि लु गा . ई
१ २

नंबर ३६

राग हिंडोल ओडव.

इसमें रिषभ पचम वन मध्यम तानतर बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल धमार

तार	सृ ·
मध्य	स ग म ध नि॒ ध म म ग स
मन्द्र	ध

शा म मो सो ये लो न हो
१ २ ३ ०

तार	.	
मध्य	स स . ९	स॒ . स ग
मन्द्र		नि॒ ध म ध

. री या . . लागो . क
१ २

तार	स	
मध्य	ग म ध स ग म ध॒ . ४	स ध
मन्द्र		

र जो . . री . . . गै या
३ २ १

तार	स स स
मध्य	ध नि॒ म॒ . ध ध ध॒ . ४ ध
मन्द्र	

च रा . . व न मै नि क सी
२ ३ २

तार	स · ९	स ग ग स ग स	सं ·	
मध्य			ध	नि
मन्द्र				

हं सा . स न नं द की .
१ २ ३

तार		
मध्य	ध म ग स सं · ४	
मन्द्र	ध	

. . चो . री

नंबर २७

राग ललित पाडव.

इसमें रिषभ धैवत अतिकोमल मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतर म के वास्ते निशानी होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल धमार

तार	
मध्य	म॒ • म॒ • ९ म॒ म॒ म॒ म॒ म॒ म॒ ग॒ ▲ म॒ ध॒
मन्द्र	

क से जा उ आ ली . . . नि क
१ २ ३ २

तार	स॒ • ४ ४	रि॒
मध्य		नि॒ नि॒ ▲ म॒ ध॒ ▲ म॒
मन्द्र		

सी न न द की
१ २

तार		
मध्य	ग॒ म॒ ग॒ म॒ ग॒ ९ रि॒ ग॒ म॒ •४	▲ म॒
मन्द्र	नि॒	

. . चा • री ला ल हो धा
३ २ १

तार	स स स . स स . ९	रि
मध्य	ध	नि .
मन्द्र		

. दीं न को ड र मे रे
२ ३ २ १

तार	ग रि स ९ ९ रि	
मध्य	नि नि ध	△ म
मन्द्र		

री दी या म . .
२ ३ २ १

तार	स . स स . ९	रि
मध्य	ध △ म ग म .	नि
मन्द्र		

. . . . ता री गी धा .
२ ३ २ १

तार	
मध्य	नि ध ▲ म ध ग म ग ९ रि ग म · ४
मन्द्र	नि

ह म री . . . री ला ल हो .
० ३ २

नंबर ३८

राग ललीत

तीन ताल

तार		
मध्य	ग रि ग म ग रि रि	ग म म ▲ म
मन्द्र	नि	

पि या पि या क र त प पी य रा
३ २ १ ०

तार	सृ सृ	रि
मध्य	गृ मृ ·४ ▵ मृ धृ ▵ मृ धृ निृ	
मन्द्र		

. . उ ड रि का य लि या क
३ २ १

तार	
मध्य	निृ धृ ▵ मृ धृ ▵ मृ मृ गृ ·४ ▵ मृ धृ ▵ मृ धृ
मन्द्र	

व न दे . स मो रे पि या को मि
२ ३

तार	सृ रिृ	
मध्य	निृ निृ	निृ धृ ▵ मृ निृ धृ ▵ मृ
मन्द्र		

ल ना . . क य . . हो .
२ १ २

तार		
मध्य	म़ • म़ म़ म़ म़ म म	ग़ रि़ ग़ म़ ग़
मन्द्र		

आ व न सु नी पी त्त म म न र
३ २ १ २

तार	स स़ स़	रि़
मध्य	रि़ स़ •४ऽ म़ ध़ ऽ म़ ध़	
मन्द्र		

ग र्का म ग न भ ये स व घ
३ १

तार		
मध्य	नि़ नि ऽ म़ ध़ ऽ म ग म • ४	
मन्द्र		

र के हि य रा ,
२

नंबर ३९.

राग वसंत.

इसमें रे, ध अतिकोमल म दो शुद्ध, तीव्रतर शुद्ध म के वास्ते निशाना होगी, बाकीके सब शुद्ध स्वर आरोह मे पंचम वर्ज.

तीन ताल.

तार		
मध्य	०मु धु नि • ०धु पु • ४	धु मु पु मु गु
मन्द्र		

पि या . मं ग गे . . . .
३ ० १

तार	स • ५४	रि सु
मध्य	म ग • ०मु धु	नि
मन्द्र		

. . लो . गी य र न
२ ३ २ १

तार	रि॒ स॒ स॒ ·ऽ स॒
मध्य	नि॒ ध॒ नि॒ ध॒ प॒ ·ऽ म॒ म॒
मन्द्र	

व र न के व स न प र फु ल .
२ ३ २

तार	
मध्य	ध॒ नि॒ नि॒ ध॒ म॒ ग॒ ·ऽ म॒ ग॒ रि॒ स॒ ·ऽ
मन्द्र	

व न के ह र वा गुं दे गूं दे
१ २ ३ २

तार		स॒ ·	
मध्य	म॒	ध॒ नि॒ नि॒ ध॒ प॒	० म॒ ध॒ नि॒ ·०
मन्द्र			

डा रि हो . ग र वा पि या .
१ २ ३ २

तार
मध्य
मन्द्र
सं ग ये . . . . . . लो
तार
मध्य
मन्द्र
. री तै सो हि व सं त
तार
मध्य
मन्द्र
उ प जे स ब के म न उ ल सा

तार	रि सु ऽ सु	रि ग
मध्य	नि नि ध नि · ४	
मन्द्र		

· · · लि नो म न्वा अ त
२ १

तार	ग · रि सु रि रि सु सु
मध्य	नि नि नि ध ध
मन्द्र	

द्वि · छा व प री · · · ला · मो
२ ३ २

तार		सु सु
मध्य	म म ध · ४	नि ध नि ध प
मन्द्र		

· · रा · जी ह र वा · ·

नंबर ४०.

राग कालंगडा संपूर्ण.

इसमें रिषभ, धैवत अतिकोमल, निषाद दो शुद्ध और अतिकोमल शुद्ध निषादके वास्ते निषादी होगी. बाकीके सब शुद्ध स्वर है.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	नि ध प म ग ग म प	ध ध प ऽ ऽ स
मन्द्र		

मा . नि . तूं ह र सो ड र रे . तूं
३ २ १ २ ३

तार		स रि रि स
मध्य	ग म ० नि ध	ध ध प ध नि
मन्द्र		

क्या र हा नि ड र रे . . .
२ १ २

तार		
मध्य	नि ध प म प ऽ	म म म म म म ग
मन्द्र		

. . . . . . गा फि ल म त रे वे
३ २ १

तार		
मध्य	ग ग ग म प ध ध ध ध प ध	प म
मन्द्र		

त स वे . रा म न में रा ख फि क र
२ ३ २ १

तार	सु	० रि सु रि
मध्य	प ऽ ० प ध ध नि नि	
मन्द्र		

रे . . जो क छु क रे वे ग तू .
२ ३ २ १

तार	ऱ्हि सु॰ ४	सु सु	
मध्य	नि	पु पु	नि धु धु
मन्द्र			

क र ले शि र प र का ल ज
२ ३ २

तार	सु ९	
मध्य	धु धु पु पु धु नि नि	
मन्द्र		

व र रे . . . .
१ २

यह अंतरे उपरके भजनके अंतरेके माफक गाना.

काल गोरे तनपर भूला तन जायेगा जररे।
यमके दूत पकरकर धीगे काटे बहुत क्सररे॥
तृज धूल प्रभू पद नौका चढ भवसागरसो तररे।
हर भज हर भज हर भज प्राणि हरिका भजन तू कररे॥

नंबर ४१

राग परज संपूर्ण.

इसेंम रिषभ, धैवत अतिकोमर मध्यम दो शुद्ध और तीनतर तीन तर म के वास्त निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर है

ताल धमार

तार	सु
मध्य	नि ध प प॒ ऽ नि ध॒ ऽ प ग म ग ऽ ऽ
मन्द्र	

ला ल गु ला ल जि ऽ न डा ऽ रो ऽ
१ २ ३ २

तार	स रि रि
मध्य	रि ग ऽ म ध नि नि
मन्द्र	नि नि

व र जो रि न क रो र धु नं ऽ
१ ० ३ ०

तार	स॒ ऽ	रि स रि स
मध्य	नि ध॒ ऽ ऽ ध	नि
मन्द्र		

ऽ ऽ द न छो ऽ डो जि दा ऽ
१ २

तार	स
मध्य	नि ॳ म ध नि ध ॳ म ध ॰ ४
मन्द्र	

त ह मा . रो . . .
३ २

तार	
मध्य	स ग ॳ म प प ॰ ४ म ध नि नि ॰ नि ध
मन्द्र	

अ रु ओर रोन मु र क जा . य र
१ २ ३ २

तार	स	स
मध्य	नि ॰ ४	ध नि ध प म ग ॳ म ध
मन्द्र		

इ या छ . र जा . य य च
१ २ ३

तार	स	रि ग ग रि ▲ म
मध्य	नि • ध नि • ४	नि
मन्द्र		

वा रो रा म स खे धा रे
२ १ २

तार	ग रि म रि स रि स •	
मध्य		नि नि ध • ४
मन्द्र		

पे • या प र त मैं री
३ २

तार	रि स रि स
मध्य	ध नि नि ध ▲ म ▲ म
मन्द्र	

घु ग ट प ट न उ
१ २ ३

तार	सु॰	
मध्य	धनिध निᐃमधु॰४	
मन्द्र		
	धा . री	
	२	

नंबर ४२.

राग विभाम औढव.

इसमें निषाद और मध्यम वर्ज, रिषभ और धैवत अतिकोमल बाकीके सब शुद्ध स्वर हैं

नाल सुरफाकता.

तार		
मध्य	गुरिसस॰९सरिसुस	स
मन्द्र	धु॰४	
	गा य न थीं धा . . गु रु	के
	१ २ २ २ ३	१

तार	स स स रि रि स	
मध्य	प ध ध पु • ४	ग ग
मन्द्र		

जे • गू नी क री या • • त त व
१ ३ २ २ ३ १

तार		स रि त
मध्य	प ग प प प ध ध • ९	ध त
मन्द्र		

ह व ज त अं ग के रं ग के • •
३ २ २ ३ १ ३ २

तार		
मध्य	ग रि स सु • ४	
मन्द्र		

• • च्रे त
२ ३

(समाप्त)

संगीत शिक्षणकी क्रमिक पुस्तके.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीनें संगीत विद्यापर आज तक जो किताब तयार किई उनके नाम और किंमत.

	भाग	रु	आ
महिला संगीत हिंदी	१	०	२
महिला संगीत हिंदी	२	०	४
संगीत तत्वदर्शक	१	०	८
अंकित अलंकार	१	०	८
हारमोनियमप्रकाश हिंदी और उरदू	१३	०	४
संगीत बालबोध हिंदी और उर्दू	१	१	८
" " द्वितीय भाग	२	१	०
स्वरपालाप गायन	१-४	५	८
राग प्रवेश	११३	११	०
व्यायामके साथ संगीत	१२	१	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी		२	०
" द्वितीय		३	०
राग भैरव		२	०
राग मालकंस		२	०
राग भूपाली		२	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक		१	०
सतारकी पुस्तक	१२	३	८
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत		१	०
भजनामृत लहरी	१५	२	८
राम नामावली		०	२

इसके सिवाय श्रीयुत सुकथनकर कृत पद्यावलियां मिलेंगी

मॅनेजर

॥ श्रीगुरु दत्त प्रसन्न ॥

संगीत बालबोध

अर्थात्

(हार्मोनियम प्रकाश.)

द्वितीय भाग.

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युजिक, प्रिन्सिपॉल,

गांधर्व महा विद्यालय—बम्बई द्वारा रचित

सन १९२१.

द्वितीयावृत्ति] प्रति १००० [मूल्य १ रुपया.

"गांधर्व महा विद्यालय" प्रेस, गिरगांव रोड-बम्बई

हमारे यहा के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम्) को समजने के लिये **संगीत तत्वदर्शक** को पढना चाहिये.

प्रस्तावनिका.

इस संगीत बालबोध द्वितीय भाग में प्रात काल से ले कर सायकाल तक जो प्रसिद्ध २ राग हैं वह प्रकाशित किये गये हैं। इस पुस्तक को पढने से तथा इन में लिखे हुवे गायनों को और सा, री, ग, म, को याद करने से दिन के रागों का उत्तम प्रकार का ज्ञान हो सकेगा इस लिये प्रेमीयों से कथन है कि वह उक्त बातों पर ध्यान देकर इस पुस्तक से लाभ उठावेंगे.

भवदीय,

विष्णु दिगंबर पलुस्कर,

अनुक्रमणिका.

श्रीगुरु दत्त प्रबंध

राग भैरव संपूर्ण.

इस राग में ऋषभ, धैवत अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

ताल विलंबित चारताल

तार		
मध्य	ग म म प - ऽ ऽ	धॅ धॅ प म प म ग • ऽ
मन्द्र		

प्र थ म आ . द

१ २ १ ३ २ ४

तार		
मध्य	ग म रिॅ • ग प म • ऽ	म ध ग • म रि • ऽ
मन्द्र		

ना . द प्र .

१ २ १ २ २

तार	
मध्य	स • ऽऽ रि रि स स •
मन्द्र	नि ध ध • ऽ | ध

ह्म   जो   जा . . सो   भ
३   २   २   १

तार	
मध्य	स • स • स • ऽऽ रि ग ग प • ऽऽ
मन्द्र	नि

यो . . है   स च हि .
३   २   ३   २   २

तार	
मध्य	म ग म • रि स स ऽ | ग म म
मन्द्र	नि

वी . . स्ता र . . प्र . थ
१ ३   २   ३   २

तार	सु	
मध्य	धु · ऽ धु धु पु · ऽ	गु सु धु गु · मु
मन्द्र		

. ची क . र ता . . . .
३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	रि · ऽ सु सु ऽ	गु मु मु पु · ऽ ऽ
मन्द्र	नि	

. र . . प्र . थ म
२ ३ २ २

तार	
मध्य	धु धु पु मु पु मु गु · ऽ गु मु रि · गु पु
मन्द्र	

आ . . . द . ना . . . .
१ ३ २

तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र

तार
सु
मध्य
मन्द्र
चो क . र ता . . . .
तार
मध्य
मन्द्र
नि
. र . . प्र . थ म
तार
मध्य
मन्द्र
आ . . द . ना . . . .

तार	
मध्य	गु मु · रि सु सु ४ गु मु मु पु · ऽ ४
मन्द्र	नि

स्ता र   प्र थ म
२   २

तार	सु सु · ४ सु सु सु सु · ४
मध्य	म ध नि नि
मन्द्र	

श ब्द प व न   आ प्र पा   नि
१ ३ २   ३ २   ४

तार	सु सु · ४ सु सु सु सु · ४
मध्य	मु ध नि नि
मन्द्र	

श ब्द प व न   आ प्र पा   नि
१ ३   २

(७)
तार
मध्य
मन्द
तार
मध्य
मन्द
तार
मध्य
मन्द

तार
मध्य
मन्द्र
श्री माया . मा . ई
तार
मध्य
मन्द्र
स्वी र . . ची क . र ता
तार
मध्य
मन्द्र

तार		
मध्य	ग म प ग म रि ग म म प ·	ग ग म
मन्द्र		

के · दु ला · रे · · · ज मु ना
२ ३ २ २ १ ३

तार	सं सं सं	सं रिं सं
मध्य	ध नि नि	नि नि
मन्द्र		

में गें द डा र ग्वा ल वा ल हां
२ २ २ २ १ ३ २ ३

तार	सं	सं रिं सं
मध्य	ध ध प म	प ध नि नि
मन्द्र		

· रे · · का · लि · · बु अ
२ २ १ ३ २

तार		
मध्य	ध ध नि ध ध प	म ध प ध म प ग
मन्द्र		

का . र दे . त शा म ही ए क का
३ २ २ १ ३ २ ३

तार		.
मध्य	म रि ग म म प ४	म . ग रि स स
मन्द्र		

. . रे . . जा . गो वि ज
२ २ १ ३ २

तार		
मध्य	रि स स स स	म . ग रि स स रि स
मन्द्र		

रा ज कुं व र जा . गो वि ज रा ज
३ २ २ १ ३ २

तार	.
मध्य	सु सु सु सु रि ग म प ग म रि ग म
मन्द्र	

क व र नं द के • दु ला • • रे •

* ३ २ २

तार		
मध्य	म प ४	म • ग रि स स रि स स स
मन्द्र		

• • जा • गो व्रि ज रा ज कुं व

१ १ २ ३ २ २

तार		स स स
मध्य	स	ग ग म ध नि नि
मन्द्र		

र ज मु ना में गं • द डा र

१ ३ २ ३ २ २

तार	स स स स रि
मध्य	ग ग म ध नि नि नि
मन्द्र	

ज मु ना में गें . द डा र ग्वा ल वा
१ ३ २ ३

तार	स स	स रि
मध्य	नि ध ध प म	प ध नि
मन्द्र		

ल हा . रे . . . का . ली . .
२ १

तार	स
मध्य	नि ध ध नि ध ध प म ध प ध म प ग
मन्द्र	

यु मु का . र दें . त था . म दि ग क का
२ २

तार
मध्य
मन्द्र
रे . जा . गो धृ ज रा
तार
मध्य
मन्द्र
ज कु व र ज मु ना में गँ द डा
तार
मध्य
मन्द्र
र ज मु ना में गँ द डा र ग्वा

तार	सु रि सु सु सु
मध्य	नि ध ध प म प ध नि
मन्द्र	

ल वा ल हा रे का . ली
२ ३

तार	रि सु
मध्य	नि ध ध नि ध ध प म ध प ध म
मन्द्र	

धु भु फा र दे त शा . . हि ए
२ २

तार		
मध्य	प ग म रि ग म म प ऽ	
मन्द्र		

घ पा रे .

राग भैरव.
ताल झपताल
तार
मध्य स रि ग म प प ग म प प ध नि
मन्द्र नि
आ ज नं द ला ल म खि प्रे म मा द
३ २ ३ १ १ २ ३
तार स रि स स
मध्य नि ध प ग म म प प ९
मन्द्र
क रि ये स ग ल ल ना लि ये
२ १ २ ३ २
तार
मध्य ग म नि ध प ग म रि रि स ग म म
मन्द्र
ज म न ति य रे च र न फो लि

तार	स स स स	स स
मध्य	ध ध नि	धँ धँ नि
मन्द्र		

के स र क म ल मा ल ती .
३ २ १ २

तार	रि रि स स	
मध्य	धँ	ध ध प ग म प प ध
मन्द्र		

स ध न व न मा द सु गं ध
३ २ १ २ ३ २

तार	स	रि स स
मध्य	नि	धँ धँ ग म रि रि स
मन्द्र		

सी . त ल स मी . रे . व र न
१ २ ३ २

तार		
मध्य	प प प ग म प प ध ध प	प प प ध ध
मन्द्र		

मे . घ चों प क व र न कृ ष्ण र स
१ २ ३ २ १ २

तार	स	
मध्य	नि ध ध प	प ध ध प प ग म म
मन्द्र		

मा ते . रा . ग पीं . च म सो
३ २ १ २ २

तार		
मध्य	प प	ग म नि ध ध ग ग ग रि स
मन्द्र		

हे कुटिल ह लका . न
१ २ ३ २

तार	स स स	
मध्य	म म ध ध नि नि	ध ध नि
मन्द्र		

ए क मु स जो . र स की ध र र
१ २ ३ २ १ २

तार	स रि रि स स	
मध्य	ध	प प ग म प ध नि
मन्द्र		

हि . ध्या न स व आ प नो . ला ल चि
३ २ १ २ ३ २

तार	स		
मध्य		ध ध प म ग म म रि स	
मन्द्र			

त चो र पा ये व ने .
१ २ ३ २

तार	. सृ
मध्य	सृ सृ गृ मृ पृ पृ गृ मृ पृ पृ धृ निृ
मन्द्र	निृ

था . ज नं द ला ल स खी प्रे म मा द क
१ २ ३ २

तार	रिृ स	स
मध्य		निृ धृ पृ गृ मृ मृ पृ पृ ४ गृ
मन्द्र		

पि ये सं ग ल ल ना . लि ये . ज
१ २ ३

तार		
मध्य	मृ निृ धृ पृ गृ मृ रिृ रिृ सृ	गृ मृ मृ धृ
मन्द्र		

म न तिय रे . व र न फू . लि के
२ १

तार	स स स स · स स रि रि
मध्य	ध नि ध ध नि
मन्द्र	

· स र क म ल मा · ल ती · स ध

२ ३ २

तार	स स	स
मध्य	ध	ध ध प ग म प प ध नि
मन्द्र		

न व न मं · द सु गं · ध सो ·

१ २

तार	रि स स	
मध्य	ध ध ग म रि रि स	
मन्द्र		

त ल स मी · रे · व र न

राग भैरव.

तीनताल.

तार	
मध्य	९ गु मु मु रि स सु सु रि रि सु सु
मन्द्र	नि

प्या रे मे को ला ग ली अ खि मो री
१ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स सु सु सु रि रि सु गु मु
मन्द्र	धु धु धु नि

अ थ द्वि ने फ प ल ग ह्र प फ निसा
१ २ ३ २

तार	स
मध्य	पु पु | धु नि धु धु पु पु गु मु पु धु प
मन्द्र	

मा रि ज गी ज गा इ तु नि भ द न ज गा
१ २ ३ २

तार		
मध्य	धु धु पु मु पु	०गु मु मु रि सु गु मु पु
मन्द्र		

चो . . . .   प्या . रे मै को श्र व न
१   २   ३

तार		
मध्य	धु पु धु धु पु मु पु	०मु मु मु पु धु धु
मन्द्र		

ज गा यो . . . .   सो व न दे मो हे
२   १   २

तार	सु सु सु सु सु सु	सु
मध्य	धु नि	धु धु धु
मन्द्र		

आ नं द भु व न ग रे ला गों गी तो
३   २   १   २

तार	सु सु सु	सु
मध्य	नि ध नि ध प ध	नि
मन्द्र		

रे छ ति यां म ग न आ य तू जि
३ २ १

तार	
मध्य	ध ध प ग म प ध प ध ध प म प.४
मन्द्र	

न जा वा अ ब न अ गा या . . .
२ ३ ०

राग भैरव.

ताल धमार.

तार	
मध्य	ध ध प प प प ध प ग म म . ५४
मन्द्र	

आ ज मि ल स ब गो ल गा . धो

तार	
मध्य	ध • धु ध म प म मु रि गु मु प म रि सु
मन्द्र	

उ स प्र भु . के . ध . न्य वा द
१ २ ३ २

तार	
मध्य	स स स ग म म प ग म
मन्द्र	ध ध ध नि

जि स का य श नि त्य गा . ते हैं ग .
१ २ ३ २

तार	स
मध्य	धँ ध नि नि ध ध ध प ग म म
मन्द्र	

ध वै मु . नी ग ण ध न्य वा . द

तार	स सु सु	
मध्य	म म ध ध नि नि	ध ध ध
मन्द		

मं द रो में क द रो में प र व
१ २ ३ २ १

तार	स सु रि रि स	
मध्य	नि ध प	ध प ग म
मन्द		

तो . के लि ए र प र दे ते हैं .
२ ३ २ १

तार	रि सु	
मध्य	म प ध ध	ध नि ध ध म म ग
मन्द		

ल गा ता र सों सों या र मु नि य र ध
२ २ २ १ २

तार		
मध्य	म रि ग म प प़ · ४	
मन्द्र		

· न्य या · · द
३ २

राग तोडि संपूर्ण.

इस में ऋषभ, गधार और धैवत अतिकोमल मध्यम तीव्रतर. निषाद शुद्ध

तीन ताल

तार	
मध्य	ध ध़ ध़ प़ · म़ प़ ध़ ध़ म़ म़ ग़ रि़ ग़ रि़
मन्द्र	

का क रि या · जि न मा · · · रो मो
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि स	स स ध • प ध ध म म ग रि ग
मन्द्र		

• रे अंग वा लगी जा • • • रे •
१ २ ३ २

तार		स स स ग ग
मध्य	रि स स	प म ध नि
मन्द्र		

लं ग र सु न पा वे . मो री सा .
१ २ ३

तार	रि स रि स	ग रि रि
मध्य	नि नि ध	नि
मन्द्र		

स म न दि . या . दो रे दो रे
२ १ २

तार
मध्य
मन्द्र
घ रआ : . धे . लं ग र
३ २
राग तोडी संपूर्ण.
ताल द्रुत चारताल.
तार
मध्य
मन्द्र
ना द ई तों त न न त न दे रे ना त
१ ३ २ ३ २ २ १ ३
तार
मध्य
मन्द्र
न न न दे रे ना . य ल लि य ल लि
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		स स स
मध्य	रि ग रि रि स स	स नि ध.
मन्द्र		

य लि य ल ल ल तो . त न न तॉ
३ २ १ ३ ० ३ २

तार		
मध्य	नि ध प	ग ग ग ग म म ध ध नि नि
मन्द्र		

त न न य ल लि य ल लि य लि य ल
२ १ ३ २ ३ ०

तार	स स	स ग रि स
मध्य		ध ध नि ध नि ध
मन्द्र		

ल ल त दीं दीं त न न त न त
० १ ३ २ ३ ० ०

तार		
मध्य	९ प नि ध प म ग रि स ९१	
मन्द्र		नि नि

दीं त न न न न न धा कि
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	
मध्य	रि रि ग ग ग ग ग ग म म ध ध
मन्द्र	नि

ड त क धु म कि ड त क धे त्ता कि ड
३ २ ३ २

तार	स स स स	स स स ग रि रि
मध्य	ध ध	
मन्द्र		

न ग ति र कि ड त क धि ला ग धु
२ १ ३

तार	रि रि सु सु
मध्य	धु धु नि धु धु धु धु प
मन्द्र	

कि ड त क कि ट ता ग दि ग न धा
२ ३ ० २

राग तोडी संपूर्ण.

ताल झपताल.

तार		
मध्य	ध नि धु . ४	प प ग ग म ध प . ४ ४
मन्द्र		

दु . गं आ . द भ चा . नी
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	धु . ४	ध ४ नि ध प म ग रि सु . ४
मन्द्र		

तार		
मध्य	स रि ग म ध . ४ ४	म ध
मन्द्र	ध ध नि	

लु व पू . जे स व ज ग
१ २ ३ २ १

तार	स रि	
मध्य	नि नि ध़ . ४	म ग ग म ध़ . ४
मन्द्र		

मा . नी . अ सु र सं
२ ३ १ २

तार	स स स . ४ ४	स रि
मध्य	नि	ध ध नि नि
मन्द्र		

हा . र नी न ध्र को . ट रा
३ २ १ २ ३

तार	स	
मध्य	नि ध • ऽ • ऽ ऽ	प ग ग म ध नि
मन्द्र		

. नी .   की जे द या य .
०   १ २ ३ २

तार		
मध्य	ध • ऽ	ध नि ध म ग रि स • ऽ
मन्द्र		

न   या . . . . . नी
१ २ ३

राग आसावरी संपूर्ण.

इस में आरोह में गंधार और निषाद वर्जे गंधार, धैवत और निषाद अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर

तीन ताल

तार		
मध्य	९ ध नि • नि ध प' ध म	म प ध म प
मन्द्र		

कौ • न रि झा व न जा ये •
३ २ १

तार		
मध्य	ग स रि ग ग रि रि स स स • ४	
मन्द्र		ध

री अ ल बे • ली ना र च ली ल
२ ३ २ १

तार	स
मध्य	स स स स • ४ रि म म प नि
मन्द्र	ध ध

प क झ प क सो ने व र की झ
२ ३ २

तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र

तार	स	स	
मध्य		नि ध प प म प ध नि	नि
मन्द्र			

व जा उ चु न रि या पे
३ ० १

तार	
मध्य	ध ध प प ध म
मन्द्र	

री प्यारी तू
२

राग आसावरी
ताल धमार

तार		
मध्य	स रि म प ध . ४	ध ध ध ध प म ऽ४
मन्द्र		

स ख री जा दी न

तार
मध्य म प ध़ • ४ ग ग रि स रि ग़ • रि म
मन्द्र
त्य जे फा गु न आ
३ २ १
तार
मध्य रि स ऽ • ४ रि म प ध़ •
मन्द्र ध़ ऽ • ४ ध ध
यो चि त को आ र •
३ २
तार
मध्य प ग ा रि ऽ • ४ स ऽ • ४ ग प
मन्द्र
मो हा • वे फु ल
१ २ ३ १

तार
मध्य
मन्द्र
की का न
तार
मध्य
मन्द्र
ला . न स व . त्य ज के
तार
मध्य
मन्द्र
मो ह न म

तार		
मध्य	ध़ प़ . ९ ध़	म़ . ग़ ऱि स़ ९ . ४
मन्द्र		

न ही लु भ्या . . ई
२ १ २ ३

राग पिलावल.

इस मे दो निषाद एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल, अतिकोमल निषाद के सामने निशाना होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल झपताल

तार	रि सु	
मध्य	ध ध ध ध प म ग़ . ४	रि ग प
मन्द्र		

प्र य ल ही शा म थ य . दु र्ग
१ २ ३ २ १ ०

तार		
मध्य	म ग रि स स सु॰ऽ	स स ध ध ध
मन्द्र		

ल हीं देख ज न   झ ट हीं प ट
३ २   १ २

तार	सु॰ऽ	ग ग रि सु
मध्य	नि प ध ॰ नि	प
मन्द्र		

झ प ट फ रे   ग ज र चा यो
३ २   १ २ ३

तार	सु॰ऽ	सु स
मध्य	प ध ॰ नि	प प ध ॰ नि
मन्द्र		

२   गो प हीं ग्वा ल
    १ २ ३ २

तार	स • १	स ग ग म ग रि	
मध्य			ध नि प • ४
मन्द्र			

को रा रा लि यो गि रि ध . र
१ २ ३ २

तार	स स स स • ४	रि ग
मध्य	प ध ग प ध	
मन्द्र		

इं द्र को . मा न छि न में .
१ २ ३ २ १

तार	रि स स • ४	
मध्य	प प ध नि	
मन्द्र		

घ टा यो . . . .
२ ३ २

इस भजन के जो अंतरे है वह ऊपर के अंतरे के माफक गाना

नरहरि रूप धरे वरही सब हारो ॥
दास प्रल्हाद पर योन मायो ॥ १ ॥
चक्रही दास हारी प्रेम के वस भये ॥
गोपधिर छोर के दुखपायो ॥ २ ॥

राग बिलावल.

ताल झपताल.

तार	स स स	
मध्य	ध नि प म ध प.	ग रि स
मन्द्र		

चा रु शी ले . . प्रि ये . चा रु शी
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	स ९ ९	स ध ध ध ध ध नि ध प • ४
मन्द्र		

ले मुं च भ यि मा . न म नि
३ २ १ २ ३ २

तार	
मध्य	प ध ध नि ध प म • ऽप ध ० नि • ४
मन्द्र	

दा • • नं • प्रि ये
१ २ ३ २

तार	स सस	रि म
मध्य	प प प ध ० नि नि	
मन्द्र		

च द सि य दि र्को चि द पि द त
१ २ ३ २ १ २

तार	ग रि स रि स • ९	
मध्य	० नि	प प ध ग
मन्द्र		

रु चि को • मु दी ह र ति द
३ २ १ २

तार
मध्य
मन्द्र
ध नि प - नि ध प म रि ग . प ध.
. . ला . . तू हि
३ २ ३ २ २
तार
मध्य
मन्द्र
स स स
० नि . ४ ग प ध ० नि ध .
. तू . ही य . . ड तू
१ ३ २ ३
तार
मध्य
मन्द्र
स रि स स . ४ स ग रि ग म ग रि
ही क प र्द तू . . ही . आ .
२ २ १ ३ २

तार	गु ऱि स रि सु ९९	
मध्य	ध	नि ध प ॰ ९ ग
मन्द्र		

. . च . ला क र तृ
३ २ २ १ ० २

तार		रि स
मध्य	प धृ नि ध प ॰ ९	ध ф नि धु
मन्द्र		

ही आ . क र आ . . के
३ २ ० १ ३ ०

तार	
मध्य	नि पु ४ नि ध पु मु रि गु ४
मन्द्र	

. . प ला .
३ ०

राग सिंदोरा संपूर्ण.

इस राग में गधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा
अतिकोमल शुद्ध निषाद के लिये निशानी होगी
बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल धमार.

तार	ग॒ . रि॒ स॒ . ९ रि॒	
मध्य	ध॒ नि॒ . ध॒ प॒	ग॒ . स॒
मन्द्र		

आ च त है ग्री ज ना र
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	प॒ ग॒ ग॒ रि॒ ग॒ स॒९	स॒ स॒ स॒ स॒ . ९ रि॒
मन्द्र		

खे ल न को . श शी व द नी
२ २ २ १ २ ३

तार		सु . रि
मध्य	म् पु धु धु	नि धु नि पु म पु
मन्द्र		

. भृ ग नै . नी . स ज
२ १ २ ३ २

तार	सु.४	सु . सु
मध्य	ф नि	मु . पु पु ф नि
मन्द्र		

स ज के श री या .
१ २ ३ २

तार	स रि	गु . रि सु स रि
मध्य		नि धु नि पु
मन्द्र		

शी र ची र व सं . ती . .
१ २ ३ २

तार		स़ • ऱि
मध्य	ग़ • ऱि स़ • ० ऱि म़ प़ ध़ ध़	ऩि
मन्द्र		

फु ल न गो है ला . यी वे .
१ २ ३ २ १ २

तार	स़	
मध्य	ध़ ऩि प़ म़ प़ ० ऩि	
मन्द्र		

नी . . स ज म ज
३ २

राग सुवासुघराई.

इस राग में गधार कोमल, धैवत दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल अतिकोमल धैवत और शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर

तीनताल

तार		
मध्य	स रि स म प प प प प · ४	म प
मन्द्र	ϕ नि	

जै सि तो . री प गिया वै सो मो .
२ ३ २ १

तार	
मध्य	नि नि म प नि नि प म प म रि स स·४
मन्द्र	

री . रे . चू ., न रिया . मै . के
२ ३ २

तार		
मध्य	ग . रि स रि · स	० म म म प ४ ध
मन्द्र		

ला ल रं गा दे र ग रं गे ली
१ २ ३ २ १ २

तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र

राग सुवासुघराई.

तीनताल

तार		
मध्य	सु नि पु प धु धु म प ग ग	ग मु पु
मन्द्र		

दी ई त ना दे रे दा नि त न दे रे .
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	ग ऽ ऽ ऽ रि सु रि म	स रि स ९
मन्द्र		ф नि.

ना त दि य ना रे ता
२ ३ २ १ २ ३ २

तार		
मध्य	सु ऽ	ग गु मु स रि रि स रि
मन्द्र		ф नि

तार
मध्य स स स
मन्द्र नि ध ध म प
म त दे नो दे रे ना
१ २ ३ २
तार स सु म स
मध्य गु मु मु ध नि
मन्द्र
य ल लि य ली या ल ला ले
१ २ ३ २
तार सु सु स ग गु म सु सु रि
मध्य नि नि
मन्द्र
य ल लि य ली या ल ला ले
१ २ ३ २

तार	स	स स
मध्य		नि नि प नि प प म प म
मन्द्र		

. या . आ ल ला ले . या . आ ल
१ २ ३

तार		रि
मध्य	स म	ग म प ग रि स . ४ स स
मन्द्र		

ला ले य ल ल म य ला य ला .
२ १ २ ३ २

तार	रि ग स स स स स स
मध्य	नि ग ग
मन्द्र	

दीं भ त ना दे रे दा . नी त न
१ २ ३ २

राग भैरवी संपूर्ण.

इस में ऋषभ, गंधार, धैवत, निषाद, अतिकोमल. मध्यम शुद्ध.

तीनताल

तार		स रि
मध्य	नि नि ध ध प प ग म	ध . नि
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार	स	स
मध्य	नि नि ध ध प प ग म	ध . नि
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार	स ग स म ग	९ स
मध्य	ध नि	नि ध प
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार		ग रि ग रि
मध्य	म ग ग म ग रि रि स ऽ	
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	रि रि	ग
मध्य	नि नि ध ध प प ग	स ग स
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	म ग म प म	ग रि स रि रि स रि स
मध्य		
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स	स
मध्य	ग म ग म ध नि	नि नि ध म
मन्द्र		
	३ २	१ २

तार	स स	
मध्य	ध नि नि नि नि ध ध	ध प प
मन्द्र		
	३ २	१

तार		
मध्य	प म म म ग म ग रि रि स ९	स
मन्द्र		नि
	२ ३ २	१

तार	सॆ सॆ गॆ मॆ
मध्य	ग म प ग म ध नि नि
मन्द्र	

२ ३ २

तार	प म ग रि स रि स	
मध्य		
मन्द्र		

१ २

भैरवी छायालगत्व.

इस राग में ऋषभ दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल गधार, धैवत और निपाद अतिकोमल शुद्ध ऋषभ के वास्ते निशानी होगी

द्रुत चारताल

तार	
मध्य	म प ध प म ० रि ग म रि रि ग रि स
मन्द्र	

सुं . . . द र स रु . प जा के
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	स स रि स	ऽ ऽ स
मन्द्र	ध ध म ध नि	

सुं . द र सीं धा र की नो सुं
१ ३ २ ३ २ २ १

तार		
मध्य	स स ध प प ध प ग म न	प ध नि ध
मन्द्र		

द र . न चे . ली जो . पी या . की मा
२ २ ३ २ २ १ २

तार		
मध्य	प म ग म प म ग स	ध ध म ध नि
मन्द्र		

. न प्या . . री . पू . . ज ती
२ ३ २ २ १ ३ २

तार	स स स स	ऽ ऽ स स स
मध्य	नि	ध ध
मन्द्र		

म हा दे . च सी ला पा . र
२ २ २ १ ३ २

तार	रि रि रि स	
मध्य	ध ध ध प	प प प प प
मन्द्र		

सु . . ची मा . न र ह स र ह
३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	प ध नि ध प ग म म	प ध नि ध प
मन्द्र		

स गा . . . व त दो . उ क .
३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	म ग म प म ग स	
मन्द्र		

र ता . र .
३ ० २

राग छायालगत्व भैरवी संपूर्ण.

ताल तेवरा

तार		
मध्य	स ध प प प प	ध नि ध म ध प म
मन्द्र		

ध . न्य दी न द या . ल तू . .

तार		स .	
मध्य	ग स	प ध नि ध प स ग	ग
मन्द्र			

प्र भु ध . न्य . तू . ज ग दी
२ १ ३ २ २ १

तार		
मध्य	ϕ रि स ϕ रि ग म प . ऽ	प प प
मन्द्र		

. श्व रा . . . ध न्य य
३ २ २ १३ २

तार			स
मध्य	प . ऽ	ध नि ध प ग म . ऽ	प ध
मन्द्र			

ह कृ पा है . ते री ध . न्य
२ १ ३ २ २ . .

तार	.	
मध्य	नि ध प स ग म	ग रि स० रि स . ११
मन्द्र		

. तू . . प र मे . . श्व रा
२ ० १ ३ २ २

तार		स स स स	स स
मध्य	ध म ध नि	नि	
मन्द्र			

ध न्य द या दी न प र दा ता तू
१३ २ २ १३ २ २ १३

तार	स रि	रि रि रि स
मध्य		नि ध ध प . १ प प
मन्द्र		

दी सं सा . . र दा . . . ध न्य
२ २ १ ३ २ २ १३

तार			सं
मध्य	प प प . ९ नि ध ध प ग म		प ध नि ध
मन्द्र			

क रु णा लि धु स्वा मी जो की . से
२ २ १ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	प म म	ग म ध प म ग रि स स ९
मन्द्र		नि

. न वी शा . र दा
२ १ ३ २ २

इस भजन के जो अतरे हैं वह ऊपर के अतरे के माफक गाना

धन्य महिमा अकथ तेरी अंत कोई न पावदा ॥
द्वार के पीछे रह जाव कथननू जो धावदा ॥ १ ॥
जीव सब संसार दे गिनती न आवी जावदी ॥
अन्न पाणि दान करदा होर सब मन भावदी ॥ २ ॥
तेरी महिमा तूही जाने होर तैं घडियाइया ॥
क्षुद्र जंतु आखे सोइ मन चिखे जो आइया ॥ ३ ॥

औगी वाट पहाड दी क्यों चढ सके है पपीलिका ॥
अंधा चाहे चंद्र वेखो मुशक गज डीलका ॥ ४ ॥
मीक बैल न धन सके पिंगल उलंघे मेरु क्यों ॥
मूका धक्का होवे नाहीं रागी क्यों कर गुंग हो ॥ ५ ॥
होय कायर खेत मागे रचे ग्रंथ न बावला ॥
कहा क्यों कर गुण मैं तेरे बुद्धी हीन उतावला ॥ ६ ॥
हाथ जोड नवाए मस्तक चरण वंधन कीजिये ॥
धन्य प्रभु महिमा तेरी जिस रटे सुख भीजिये ॥ ७ ॥
सबही पूत कपूत तेरे अंत तैनूं लाज है ॥
नाम धन प्रभु दान कीजे सोई हमरे काज है ॥ ८ ॥

राग सारंग ओडव.

इस में गंधार और धैवत वर्ज, निषाद दो एक शुद्ध और दुसरा अति-कोमल, अतिकोमल निषाद के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है

ताल झपताल

तार	स स स	
मध्य	नि नि ४ नि प प म रि	रि
मन्द्र		
	म धु म द न म न फ . रो	प्र
	१ २ ३ २	१

तार		
मध्य	म प म रि रि स •	म म म प ४ नि
मन्द्र		

भु से • तू • म सा ची क ही ये
२ ३ २ १ २ ३ २

तार		स रि स •
मध्य	प प	म प नि ४नि प नि
मन्द्र		

• • को न • नी भा • वे
१ २ ३ २

तार	स • ४	स स स
मध्य		म म प ४नि प नि
मन्द्र		

• • ज य को • की ला कु क
१ २ ३ २

तार	स स रि स .	
मध्य	नि	४ नि प ४ नि प
मन्द्र		

उ टी च ह . ओ . र
१ २ ३ २

तार	रि रि रि प रि रि स स . ४	
मध्य		स प नि
मन्द्र		

गी त ल मां . द र न मी
१ २ ३ २ १ २

तार	स रि स . स . ४	
मध्य	४ नि प नि	
मन्द्र		

. र मा . ये . .
३ २

राग गौड सारंग.

इस राग में दो मध्यम एक शुद्ध और दुसरा तीव्रतम, तीव्रतम मध्यम के वास्ते निशानी होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल द्रुत चारताल

तार		
मध्य	म ग ध प ध ⅄ म प ग म रि म	ग
मन्द्र		
	त ना त नॉ त न दे रे ना त	द
	१ ३ २ ३ २ २	१

तार	
मध्य	म रि स रि रि स स ग रि
मन्द्र	नि नि
	रे दा नि त दा . नी द र दी .
	३ २ ३ २ २

तार	स् स् स् स	स्
मध्य	म् म् प प् प् ध्	ध् नि्
मन्द्र		

ना द्रे द्रे तुं द्रे द्रे . द दं तों त न नि
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	रि् स्	स स्
मध्य	नि् ध् प् म् म् प् प्	नि्
मन्द्र		

त दा रे दा नी द दं दं दं तों ल न
२ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	ध् प्‿म् प् म् ग् म् रि्	ग म् रि्
मन्द्र		नि्

न न न न नि ता . रे ता रे दा
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	रि स स ग रि	
मन्द्र	नि	

. नी द र वीं .
३ २ २

राग भीमपलासी.

इस राग में आरोह में ऋषभ और धैवत वर्ज. गंधार और निपाद अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार		
मध्य	स स ग ग स स	ग म प नि
मन्द्र	नि नि	

सा डे ना ल या . म नीं या . . .
३ २ १

तार	. सृ रिृ सृ	
मध्य	पृ निृ निृ पृ मृ ग ऽ गृ	गृ
मन्द्र		

. . दि ल भ रि या स ज
२ ३ ४ १

तार	
मध्य	मृ पृ निृ धृ पृ म ग गृ सृ सृ गृ
मन्द्र	निृ निृ

न म न र म या . सा डे ना ल वा
२ ३ २

तार		
मध्य	गृ सृ सृ	पृ पृ पृ पृ पृ प म गृ मृ पृ
मन्द्र		

. म नीं ल ट क ल ट क . ल ट कें
१ २ ३

तार	स स • ४	
मध्य	नि नि नि	नि नि नि नि
मन्द्र		

. न दि लां दी   ह स ह स
२   १

तार	स रि स	
मध्य	नि नि नि प म ग ऽ ग	ग
मन्द्र		

मु ख व त ला . व नि या स ज
२   ३   २   १

तार		
मध्य	म प नि ध प म ग ग	
मन्द्र		

न म न र म या . .
२

राग भीमपलासी.

ताल चारताल (ध्रुपद)

तार		
मध्य	प नि • प प म ग • प म •	प • प • ९
मन्द्र		

ये. . . स पो . . . नं द
२ २ १ ३ २

तार		
मध्य	म प • ९ ध प • ध प • म म • ४	प
मन्द्र		

कु च र . वा . . ल प
३ २ २ १

तार	
मध्य	नि ध प • ९ प ध म • प ग • म ग • प
मन्द्र	

न मे • मे रो • • • म • न
२ २ २ २ ३

तार		
मध्य	म॒ • प॒ • ४	प ग रि॒ म॒ ग रि स • ९ प
मन्द्र		

. ह र . . लीं . नो ये
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	नि॒ • प प म ग॒ . प म॒ .	प. प म ग॒ •
मन्द्र		

. . स र्वी . . . जी ये हो .
२ २ १ ३

तार	स॒ स॒ स स॒ • ४
मध्य	स म प नि॒ . नि नि॒ •
मन्द्र	

. फ ला . . स मे . . हो
२ ३ २ २

तार	स ऽ ९ स म ग रि स स
मध्य	नि नि ध प • ४
मन्द्र	

नै न न•सो नी • • र जा य

१ ३ २ ३ २ २

तार	स स
मध्य	प • म ग • म • ४ ग म प नि • नि
मन्द्र	

मे रे • • नी या को दू •

१ ३ २ ३ २ २

तार	रि • ४	रि स	
मध्य			नि ध प • ९ प
मन्द्र			

घ दू की नो ये

१ २ ३

तार		
मध्य	नि · प प म ग · प म ·	प प म ग ·
मन्द्र		

स खी . सा व रो
२ २ १ ३

तार		
मध्य	म म प प ध म · प प · ऽ	प म प
मन्द्र		

. स लो न का न वा ट रो
२ ३ २ २ १ ३

तार	स	स रि स स
मध्य	नि · नि नि	नि ध प · ऽ
मन्द्र		

. क ठा डो . भ यो .
२ ३ २ २

तार	
मध्य	प ग ग म प मु गु · I म ग रि सु · ү
मन्द्र	

मो है तो घु ला . ये गा . ये
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स मु गु · म प · ९ प प धु मु · प
मन्द्र	नि

अ ध र . न को र स ली . .
१ ३ २ ३ २ २

तार		सु
मध्य	पु · ү	प प मु गु · म म प नि ·
मन्द्र		

नॉ गे न मा . . घु ला . .
१ ३ २ ३

तार	स सु • ४ स • ९	स
मध्य	नि नि	नि नि
मन्द्र		

ये औ र मु ख सो
२ २ १ ३ ८

तार	म गु रि स स	
मध्य	नि ध पु • ४	प प मु
मन्द्र		

बु ला ये गा . ये बा सु री
३ २ २ १ ३

तार	सु स रि • ४
मध्य	गु • म म प नि • नि नि
मन्द्र	

ब जा ये क छ
२ ३ २ २

तार	रि स रि स
मध्य	नि ध प . ९ प नि . प प
मन्द्र	

जा दू फी . नो ये . . स
१ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	म ग . प म .	
मन्द्र		

री . .
२

राग मुलतानी.

इस राग में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, गधार कोमल, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, आरोह में ऋषभ और धैवत वर्ज

आलाप

तार	स
मध्य	स ग म प नि नि ध प म ग रि स
मन्द्र	नि

तीनताल.

तार		
मध्य	म ग म ग रि स रि	स म ग ९
मन्द्र	नि	

वा ज त ब धा इ व र सा ने .
३ २ १ २

तार	स
मध्य	ग म प प नि नि नि ध ध म प
मन्द्र	.

मैं . सुन कर आ इ . . . .
३ २

तार		
मध्य	म॒ प॒ ध॒ ध॒ म॒ म॒ ग॒ म॒ प॒ प॒	प॒ प॒ प॒ प॒
मन्द्र		

थ प ने का   न आ ज न र नारी
१   २   ३   २

तार		स॒ स॒ ९ स॒ ग॒
मध्य	ध॒ म॒ प॒ ग॒ म॒	प॒ नि॒ नि॒
मन्द्र		

. न . मिल म ग ल गा वो स द
१   २   ३

तार	ग॒ रि॒ स॒	
मध्य	नि॒ ध॒ प॒	म॒ प॒ ध॒ ध॒ म॒ म॒ ग॒
मन्द्र		

न न न न न द र स ध्या . . .
२   १   २

तार			
मध्य	म़ प़ प़	प प़ ध म प़ म़ ग़ म़	९ प़
मन्द्र			

न आ ज आ फे ता . . फें ग त ओ
३ २ १

तार	स स़ स
मध्य	प़ ध म प़ म़ ग़ म़ प़ नि़ नि़
मन्द्र	

फें तो . फें ग त ला . ग दा ट सो
२ ३ २

तार	स़ ((स स़
मध्य	नि़ नि नि ध म प़ म
मन्द्र	

सु र ही रे . . ता
१ २ ३

तार		
मध्य	ग रि सु.४	म म प प ध ध प
मन्द्र	नि	

. नो   धा धा कि ट रि ड धुं

२   १   २

तार	सु सु रि
मध्य	म म ग ग म म प नि नि नि
मन्द्र	

कि ड कि ड रि ड प र न   सु र न वा

३   २

तार	सु	
मध्य		नि ध प ध म म ग म प प
मन्द्र		

जे   नो य द पा . .   न आ ज

१   २

राग पिलु संकीर्ण.

इस मे दो ऋषभ, दो गंधार एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल, धैवत अतिकोमल अतिकोमल ऋषभ और शुद्ध गंधार के वास्ते निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार	सु गु रि	सु • ९
मध्य	९ पु नि नि नि	धु
मन्द्र		

का ना ने . . ऐ सी रे .
३ २ १ २

तार	सु गु गु गु गु	गु मु
मध्य	नि नि धु पु I .	
मन्द्र		

. . . या . ऐ सी तो प जा .
३ २ १

तार	रि ग रि सु ९ सु ४रि ४रि
मध्य	नि नि नि
मन्द्र	

. . . इ . सु ध वि सु रा
२ ३ २

तार	सु	स	९ सु ф ग म
मध्य	नि ध	नि ध प	
मन्द्र			

. . इ . . या . या ज त
१ २ ३

तार	प प प	९ सु ф ग ф ग म ф ग म प
मध्य		
मन्द्र		

दा म रीं भैं रि रि या . . .
२ १ २

तार	गु रि सु ·१ गु गु गु गु म रि गु रि सु
मध्य	नि
मन्द्र	

. नी . सु च त ना . . . . ही .
२ २

तार	सु ४ रि रि सु सु
मध्य	नि धु धु प . ४
मन्द्र	

क छु का . . ज . या .
१ २

राग काफी संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल, शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

तीनताल.

तार	स
मध्य	स प नि ध नि प ऽ म ग रि स रि
मन्द्र	

१ २ ३ २

तार	
मध्य	रि रि ग रि ग म ग रि स रि स
मन्द्र	०नि

१ २ ३ २

तार		
मध्य	स	रि ग म प ग म प ध म प ध नि
मन्द्र		

१ २ ३

तार	स	स रि स रि
मध्य	प ध नि	ध नि नि
मन्द्र		

२ १ २

तार	ग रि स	स
मध्य	नि ध नि प	म म प ध
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स स रि ग म ग	रि स प
मध्य	नि ध नि	
मन्द्र		

३ २ १

तार	मृ गृ रिृ मृ गृ रिृ सृ
मध्य	निृ धृ निृ प धृ.४
मन्द्र	
	२ ३ २

राग गौडमल्हार.

इस राग में सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

तीनताल.

तार		
मध्य	गृ मृ रिृ मृ गृ रिृ स	रिृ गृ मृ पृ म ग
मन्द्र		
	आ . इ य द रि या	सा . घ न की .
	३ २	१ २

तार		सृ
मध्य	रि पृ पृ प मृ पृ	धृ नि धृ पृ मृ गृ
मन्द्र		
	सा घ न की म न	भा . . घ न का .

तार			स स
मध्य	म प • ४	रि प प नि नि नि	
मन्द्र			

झु की सा च न में उ म गे जा
३ २ १

तार	स रि स स स स स	स रि
मध्य	ध नि ध	
मन्द्र		

व न वा छा ड ग ये प र दे •
२ ३ २ १

तार	स
मध्य	नि ध प म म प स म रि रि प म प
मन्द्र	

• • स पि ह र दा गु ध न र हीं
२ ३ २

तार		सृ	
मध्य	मृ पृ	धु नि धृ पृ मृ गृ मृ पृ	
मन्द्र			

घ र आ . . व न की . झु की
१ २

राग मालव, षाडव.

इस राग में ऋषभ, धैवत कोमल, मध्यम तीव्रतम पंचम वर्ज्य बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं (तीनताल)

तार	
मध्य	धृ म धृ गृ मृ धृ मृ गृ रि॒ रि॒
मन्द्र	नि॒ नि॒ धृ

१ २ ३ २

तार		
मध्य		सृ रि॒ गृ रि॒ गृ मृ धृ गृ नि॒
मन्द्र	मृ धृ	नि नि॒

३

तार	रि	
मध्य	ध नि म	ध नि म नि ध म ग म ग
मन्द्र		

२ १ २ ३

तार		स रि
मध्य	रि ग म ग रि रि	ग म ध नि नि
मन्द्र	नि	

२ १ २ ३

तार	गमगरिग	रि रि रि
मध्य		नि नि ध निधमगरि.१
मन्द्र		

२ १ २ ३ २

तार	रि
मध्य	रि ग म ध नि ध म ग रि ग म ०
मन्द्र	ध नि
	१ २ ३ ४

तार	म ग रि ग म ग रि
मध्य	नि ध म ग रि रि ४
मन्द्र	नि
	१ २ ३ २

राग पूर्वी.

इस में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, मध्यम दो एक शुद्ध और दूसरा तीव्रतर, शुद्ध मध्यम के वास्ते निशाना होगा. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं तीनताल.

तार		
मध्य	ग ग म म ग रि ग म	प ध प म ग
मन्द्र		
	ह री य . मैं . का .	न य सु य दी
	३ २	१ २

तार		
मध्य	φ म ग . ४ म ग रि स स स	रि ग
मन्द्र		नि

ना दू ध पू त ओ र अ न ध
२ २ १

तार		रि
मध्य	रि स स स रि ग म ध	नि
मन्द्र	नि नि	

न ल छु मी कि र पा यो गो . वी द
२ ३ २ १

तार	सं	
मध्य	नि ध प म प ध प	ग ग ग ग म
मन्द्र		

. र ग दी ना . अ ग म अ पा
२ ३ २

तार		स॒ स॒ स स स॒ स॒ रि॒ ग म॒ ग॒ रि॒स॒
मध्य	ध॒ ध॒	
मन्द्र		

र न ज ग नी स्तार न रु पा करनडु
१ २ ३ २

तार		रि॒
मध्य	नि॒	नि॒ ध॒ नि॒ ध॒ म॒ म॒ ग॒ ग॒ ग॒ ग म॒
मन्द्र		

ग ह र न सु ग म द न स य धा त
१ २ ३ २

तार	स॒	रि॒ स॒
मध्य	ध॒ नि॒	नि॒ नि॒ ध॒ प॒ प ध म प
मन्द्र		

न मो . ला य य णी . ना . . .
१ २

राग श्रीराग.

इस राग में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, बाका के सब शुद्ध स्वर

ताल (अभिनदा) सुरफाक्ता.

तार	सु	
मध्य	नि नि ध स प ध प	म ध म ग रि रि रि
मन्द्र		

गौ री अ र धं . . ग ना . च त सां . .
१ २ २ २ ३ १ ३ २ २

तार			
मध्य	रि रि स	प प प रि रि रि रि रि स	म ध नि
मन्द्र			

गी . त शं क र श्री पु र दा . र श्री गु
२ १ ३ २ २ ३ १ २

तार	स रि रि स स स	रि ग रि स
मध्य	नि	नि
मन्द्र	.	

ल उ म रू ना . ग व्या ग्रां . व र
२ २ ३ १ ३ २

तार	स	
मध्य	नि नि ध	प प प प म प ध ध ध प
मन्द्र		

ओ . व र ग ज च र मा . . . स्व र
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार		
मध्य	प प म ध म ग रि रि स स	
मन्द्र		

द री धा . . . . न फ र
१ ३ २ २ ३

राग शंकरा कल्याण.

इस राग में मध्यम तीव्रतर, बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल झुमरा मात्रा १४.

तार	स रि स
मध्य	नि धु. नि धु नि नि धु नि. ˄
मन्द्र	

आ . . . . . . द मा . हा

२

तार	स .
मध्य	धु मु पु . ᗕ पु नि धु नि धु मु पु . गु
मन्द्र	

दे . . . . . . य याँ . . न

१ २ ३

तार	सृ रिं सु सृ ऽ ऽ
मध्य	नि धु · नि नि धु नि
मन्द्र	

क · र म दी खा ई · · ·
२ ३

तार		सु रिं सृ
मध्य	पु · ऽ	नि धृ · नि धु नि
मन्द्र		

· आ · · · · · · द
२

तार		
मध्य	नि धृ नि · ऽ	धु मु पृ · गृ · ऽ ऽ पु
मन्द्र		

मा · हा दे · · ध स
१ २

तार	गु रि सु रि सु ऽ
मध्य	नि नि नि धु मु पु ऽ
मन्द्र	

ता . न ले
२

तार		सु • ९
मध्य	९ प धु पु . ग ग प प नि धु .	ɪ
मन्द्र		

स ब गु णी य न को
३ २ १

तार	सु रि सु सु ऽ ऽ	
मध्य	नि धु नि पु . ऽ	
मन्द्र		

स म झा ई
२ ३

संगीत शिक्षणके क्रमिक पुस्तक.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीनें संगीत विद्यापर आज तक जों किताब तयार कि हैं उनके नाम और किंमत.

	भाग	रु	आ	
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	०
महिला संगीत हिंदी.	२	०	४	०
संगीत तत्वदर्शक.	१	०	८	०
अंकित अलंकार.	१	०	८	
संगीत बाल प्रकाश हिंदी और उरदू.	१-३	२	४	०
स्वरपालाप गायन.	१४	५	०	०
संगीत बालबोध हिंदी और उर्दू.	१	१	८	०
" " द्वितीय भाग.	२	१	०	०
राग प्रवेश	११४	१२	८	०
व्यायामके साथ संगीत	१२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी		२	०	०
" द्वितीय.		३	०	०
राग भैरव		२	०	०
राग मालकंस		२	०	०
राग भूपाली		२	०	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक.		१	०	०
सतारकी पुस्तक.	१२	३	८	०
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत.		१	०	०
भजनामृत लहरी.	१५	२	८	०
राम नामावली.		०	२	०

इसके सिवाय श्रीयुत सुखथनकर कृत पद्यावलिया मिलेंगी

मॅनेजर

गांधर्व महा विद्यालय.

प्रस्तावनिका.

"राग प्रकाश" यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है। जिनको थोडा बहोत स्वरका और तालका ज्ञान हुआ हो उनके लिए किसी रागके गीतपर किसम किसमके तान आलाप तथा बोलतान लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित करना शुरु किया है. यह पुस्तक अनेक भागोंमें पूर्ण होगा. उन भागोंकी संख्या अभी नियत नही कर सके है इसके सब भाग यदि कंठ हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंका आलाप तान सहीत गाना सहज होगा. इसके नामसेही प्रतीत होता है कि यह पुस्तक हरएक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है

इस प्रथम भागमें केवल जैजिनी कल्याण रागमें एक गीत तीन तालका प्रकाशित किया है और इसमे " प्लावित स्फुरित. आंदोलित, त्रिभिन, गद्गदित " इत्यादि गमक लिखी है. इस लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बजाना शीघ्रतासे साध्य करना हो, तो उसके लिए यह पुस्तक एक बहोत उपयोगी वस्तु होगी परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यहांके अंकन रीतिके (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए

इति शुभम।

४२६

भवदीय

विष्णु दिगंबर.

गिरगांव सँडहर्स्टरोड, मुंबई.

ह्या विद्यालयात गायनवादन (तबला, हार्मोनियम, दिल सतार वगैरे) शिकविण्याची सोय उत्तम प्रकारची केली शिकविण्याच्या वेळा दररोज सकाळीं (स्टँ टा) ७ ते आणि सायंकाळीं ६ ते रात्रौ १० पर्यंत याप्रमाणें ठेविल्या अ

याशिवाय कुलीन स्त्रिया व मुलींसाठीं सकाळीं ७ ते व दुपारी ३ ते संध्याकाळीं ६ पर्यंत वेळ ठेविली असून शिकविण्यास खास लेडी टीचर ठेविली आहे.

गायन वादनाचे जलसे —-प्रत्येक शनिवारीं रात्रौ वाजता व रविवारीं सकाळीं ९॥ वाजता (स्टँ. टा.) होत असत

पुस्तकें--आमचें विद्यालयांत गायन वादनाची पुस्तकें वि मिळतात.

वाद्यें---आमचे कारखान्यात सर्व प्रकारचीं वाद्यें नवीन त होतात व जुनी वाद्यें दुरस्त केलीं जातात.

मॅनेजर - गां. म. विद्यालय--मुंबई.

राग जैमिनी कल्याण.

इसमें केवल दो मध्यम लगते है एक शुद्ध दुसरा तीव्रतर, शुद्ध मध्यमके वास्ते निशानी होगी.

आलाप.

तार	सृ
मध्य	रिृ गृ मृ धृ निृ निृ निृ धु मु पृ १ रिृ
मंद्र	निृ

ता . न न न त त र न री . .   द

तार		
मध्य	मु ९ रिृ • ४	
मंद्र	धृ निृ	

ना   द म त   •

तीनताल.

अस्थाई- अब गुनन कीजिये गुनिसन काजाने गुनकी
सार और गुनी गुनी जाने गुन की सार ॥

अंतरा -बडी वेर समझे नहि समझत बार वेर कोन कहे
एक वेर कहे दीनो कोन कहे यह बार बार ॥

तार		
मध्य	सॢ रिॢ गॢ पॢ रिॢ गॢ रिॢ सॢ ॰ ४	गॢ रिॢ
मन्द्र	निॢ	
	अ ब गु न न की जी ये	गु ना
	३ २	१

तार	
मध्य	गॢ गॢ पॢ ॰ मॢ गॢ ॰ मॢ गॢ रिॢ सॢ
मन्द्र	निॢ धॢ पॢ
	स न का ॰ जा ॰ ने ॰ गु न की सा
	२ ३ २

२
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य
मन्द्र

तार		
मध्य	स़ • ४	सृ रिं गृ पृ रिृ गृ रिं • ४ सृ रिं
मन्द्र		निृ

ये गु नी . . स . न अ व गु
१ २ ३

तार		
मध्य	गृ पृ रिृ गृ रिृ सृ • ४	निृ धु मु पृ रिृ गृ
मन्द्र		

न न की . जी ये गु नी . . स
२ १ २*

तार	
मध्य	रिृ • ४ सृ रिृ गृ पृ रिृ गृ रिृ सृ • ४
मन्द्र	निृ

न अ व गु न न की . जी ये
३ २

तार
मध्य
मन्द्र
सृ॰ऍ सृ रि गु पु रि गु रि॰ऍ सृ रि
नि
ये गुनी . . स . न अब गु
१ २ . ३
गु पु रि गु रि सु॰ऍ नि धु मु पु रि गु
न न की . जी ये गु नी . . स .
२ १ २*
रि॰ऍ सु रि गु पु रि गु रि सु॰ऍ
नि
न अब गु न न की . जी ये
३ २

तार
मध्य
मन्द्र
न ही
तार
मध्य
मन्द्र
तार
मध्य

तार	
मध्य	रि ग म प रि ग रि •४ स रि ग प
मन्द्र	नि नि

आ . . . . अ व गु न न
१ २ ३

तार		
मध्य	रि ग ९ रि ग म	ध नि • ध म प रि • ४
मन्द्र	नि	

की . आ . . . .
२ १ २

तार	
मध्य	स रि ग प ९ रि ग म ध नि नि
मन्द्र	नि नि

अ व गु न न गा . . . . . .
३ २

तार
रि ग
४ रि
मध्य
रि ग म ध नि
नि नि ध
मन्द्र
नि
आ
२
१
तार
मध्य
म प • रि • ४
स
रि ग म ध नि
मन्द्र
नि
नि
अ व आ
२
३
तार
स रि ग म प रि
रि
मध्य
नि नि • ध म प •
मन्द्र
२
१

तार		
मध्य	सा • ४	* रि ग म ५ • म ग १ म
मन्द्र		: नि

ये अ व गु न न . . . की
१२ ३ २

तार	
मध्य	प • म ग १ म ध प • म ग १ म ध नि
मन्द्र	

. . . . जी . ये . . . गु नी .
१ २ ३

तार		
मध्य	ध म प ४ म ग १ • ४	म ध नि ध ४
मन्द्र	- -	

स . . न . . . का . . .
२ १

तार	स॒ ऽ स॒ ४	स॒ रि॒
मध्य	प॒ ध॒ नि॒	प॒ प॒ ध, नि
मन्द्र		

जा . . . ने गु . न . . .
२ ३

तार	स॒ गु॒ रि॒ स॒ रि॒	
मध्य	ध॒ नु॒ नि॒	नि॒ ध, नि॒ ध॒
मन्द्र		

की सा . र औ र गु नी . गु नी . जा
२ १

तार	
मध्य	प॒ ग॒ ग॒ ऽ रि॒ ग॒ रि॒ स॒ रि॒ ग॒ प॒ रि॒ ग॒ ऽ
मन्द्र	नि॒

ने गु न की सा . र अ व गु न न कीं .
२ ३ २

तार	सुऽ	स सु ४
मध्य	नि॒ धु॰	नि॒ ॰ पु पु धु नि
मन्द्र		

. . . जी . ये गु नी .
१ २

तार	सु सु ॰ ४ गु ॰ रि॒ सु ॰
मध्य	नि धु नि नि धु ॰ ॅ
मन्द्र	

स न का . . जा . ने . .
३ २

तार	रि॒ ग रि॒ सु ऽ सु ॰ ॅ रि॒ सु
मध्य	नि॒ नि॒ नि नि
मन्द्र	

गु न की सा . . र औ . . र
१ २

तार	सु १ सु ४ सु रि
मध्य	पु धु नि पु पु धु नि
मन्द्र	

जा . . . ने गु . न . . .
२ ३

तार	सु गु रि सु रि	
मध्य	धु नु नि	नि धु नि धु
मन्द्र		

की सा . र औ र गु नी . गु नी . जा
२ १

तार	
मध्य	पु रु गु ८ रि गु रि सु रि गु पु रि गु ९
मन्द्र	नि

ने गु न की सा . र अ व गु न न की .
२ ३ २

तार		स म म स
मध्य	स • ४	ग ग प प ध ध नि
मन्द्र		

ये व डी बे र स म झे न हीं . .
१ २ ३ २

तार	स रि ग रि ग रि	स रि स
मध्य		नि ध प म
मन्द्र		

. . . .
१

तार	
मध्य	प ध म प स ग म प ध नि • ४ नि • ४
मन्द्र	

. . . .
२ ३

तार	सु • ४	सू सु सु
मध्य	नि • ४	गु गु पु पु धू
मन्द्र		

. . वडी वेर सम झे न

२ १ २ ३

तार	म् सु रि नु सु	स रि गु रि सु रि
मध्य		धु नि
मन्द्र		

ही स म झ त .

२ १ २

तार	सु
मध्य	नि धु पु सु प धु मु ४ पु • ४ धु • ४
मन्द्र	

३ २

तार
मध्य
मन्द्र
न की . जी ये
२
शुभम्